संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 346
पृष्ठ 8
मंगलवार
08 सितम्बर 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोजाना एक्सरसाइज करना... | विचार- भारतीय नवाचार का वास्तविक... | खेल- ईशान किशन ने 39 साल पुराना...

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों के नाम लिखी पाती

एआई साक्षरता आज के समय की बड़ी मांग

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस और आगामी 'अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस' (8 सितंबर) के अवसर पर प्रदेशवासियों को संबोधित एक पाती लिखी है। उन्होंन शिक्षा, तकनीकी नवाचार, गुरु–शिष्य परंपरा और भावी प्राथमिकताओं पर विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने लिखा कि बच्चे केवल पढ़ना–लिखना सीखने के लिए विद्यालय नहीं जाते, उन्हें ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को सही दिशा देने वाली समझ देना शिक्षा का मूल उद्देश्य है। राज्य सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन कायाकल्प', 'मिशन प्रेरणा', 'मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना' और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयी सुविधाओं में सुधार हुआ है। इससे प्रदेश के विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करने में बड़ी सफलता मिली है। बदलते दौर पर प्रकाश डालते हुए सीएम ने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक के बीच डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता समय की मांग है। एआई, डीप–टेक और उभरती प्रौद्योगिकियां शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रही हैं। सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। लखनऊ में बन रही एआई City और कानपुर में विकसित हो रहा ड्रोन–UAV तकनीक का इकोसिस्टम प्रदेश के तकनीकी भविष्य की नई संभावनाओं का आधार हैं।

8 सितंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने संकल्प दोहराया कि हर बच्चा विद्यालय पहुंचे, हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाए, हर युवा कौशल व नवाचार से जुड़े तथा हर नागरिक साक्षर होने के साथ–साथ डिजिटल और एआई ज्ञान से भी परिचित हो।

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षक दिवस पर राष्ट्र निर्माण की नींव रखने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल समग्र शिक्षा के केंद्र थे, जहां ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा दी जाती थी। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह जीवन को सरल बनाए और समाज के लिए उपयोगी बने।

वेस्टर्न जोनल काउंसिल में अमित शाह की हुंकार

सहकारी संघवाद से मजबूत होगा टीम इंडिया का संकल्प

पणजी,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को गोवा के डोना पाउला में वेस्टर्न जोनल काउंसिल की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक गृह मंत्रालय के तहत इंटर- स्टेट काउंसिल सेक्रेटेरिएट द्वारा आयोजित की जा रही है और गोवा सरकार इसकी मेजबानी कर रही है। गृह मंत्रालय के अनुसार, शाह वेस्टर्न जोनल काउंसिल के चेयरमैन हैं, जबकि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत इसके वाइस–चेयरमैन हैं। सदस्य राज्यों में से, हर साल बारी–बारी से किसी एक राज्य के मुख्यमंत्री काउंसिल के वाइस–चेयरमैन के तौर पर काम करते हैं।

जोनल काउंसिल में पश्चिमी क्षेत्र के हर राज्य के मुख्यमंत्री और हर राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री सदस्य के तौर पर शामिल थे। काउंसिल की बैठक में भारत सरकार और राज्य सरकारोंध्केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर देश के लिए टीम भारत की परिकल्पना की है और जोनल काउंसिल इस दिशा में अहम योगदान दे रही हैं। पीएम मोदी ने सर्वांगीण विकास हासिल करने के लिए सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद की क्षमता का इस्तेमाल करने पर जोर दिया है।

मजबूत राज्यों से ही मजबूत राष्ट्र बनता हैश की भावना के साथ, जोनल काउंसिल दो या दो से ज्यादा राज्यों, या केंद्र और राज्यों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत और चर्चा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र प्रदान करती हैं।

सत्य निकेतन मामले में दक्षिण जोन के उपायुक्त समेत पाँच अधिकारी निलंबित

नयी दिल्ली,एजेंसी। सत्य निकेतन में हुई घटना के मामले में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दक्षिण जोन के उपायुक्त समेत पाँच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार को बताया गया कि मामले में लापरवाही के लिए निगम के पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित अधिकारियों में दक्षिण जोन के उपायुक्त, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर शामिल हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गयी है। निगम के आदेश में कहा गया है कि दक्षिण जोन के उपायुक्त राकेश कुमार को दिल्ली म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन सर्विसेज (कंट्रोल एंड अपील) रेगुलेशन, 1959 और लागू दूसरे नियमों के तहत तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया है। अन्य आदेश में रणवीर सिंह (सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर (दक्षिण जोन), ललित कुमार गोयल (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, बिल्डिंग), सुनील चौहान (असिस्टेंट इंजीनियर)और आशीष कुमार (जूनियर इंजीनियर)को भी निलंबित किया गया है। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सुरक्षा उपायों और जारी बचाव अभियान की समीक्षा करने के लिए नयी दिल्ली के सत्य निकेतन में ढही इमारत स्थल का फिर दौरा किया।

जनता की जेब पर 'महंगाई का करंट', आंकड़ों की बाजीगरी से यह नहीं छिपेगा : कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने महंगाई को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि जनता की जेब पर निरंतर श्महंगाई का करंटश लग रहा है, लेकिन सरकार आंकड़ों की बाजीगरी से इसे छिपाने में लगी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि अब सरकार कुछ भी कर ले, महंगाई की मार आंकड़ों की बाजीगरी से नहीं छिपाई जा सकती। जयराम रमेश ने श्एक्सश पर एक पोस्ट में दावा किया कि प्याज के थोक भाव महज तीन सप्ताह में दोगुने हो गए हैं।

सियासी दबंगई पर लगेगा ब्रेक?, डाक्टरों से मारपीट मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा

हिरासत में लिए जाएं हमलावर

नई दिल्ली,एजेंसी। महाराष्ट्र में डॉक्टरों के साथ कथित मारपीट और राजनीतिक दबाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले राजनीतिक लोगों को तुरंत हिरासत में लिया जाए। यह टिप्पणी पालघर के रिलीफ अस्पताल में हुई घटना के एक दिन बाद आई, जहां दही हांडी के दौरान घायल हुए गोविंदाओं के इलाज और उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था। इस मामले में शिवसेना से जुड़े पदाधिकारियों समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों की कथित पिटाई की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। अदालत ने साफ संदेश दिया कि डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर हमला करने वालों को खुले में नहीं घूमने दिया जाना चाहिए। अदालत की सख्ती ऐसे समय आई है जब पालघर के अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित बदसलूकी और मारपीट का

मामला सामने आया है। इससे महाराष्ट्र में डॉक्टरों की सुरक्षा और अस्पतालों में राजनीतिक दबाव को लेकर सवाल फिर उठे हैं। यह पूरा मामला दही हांडी कार्यक्रम में घायल हुए गोविंदाओं के इलाज से जुड़ा है। शनिवार रात मानव पिरामिड बनाते समय पांच गोविंदा घायल हुए थे। उन्हें पालघर के रिलीफ अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। इनमें से एक घायल को सिर और रीढ़ की चोट बताई गई थी। डॉक्टरों ने उसकी हालत को देखते हुए सीटी स्कैन और आगे के इलाज की सलाह दी। इसी दौरान इलाज, जांच और अस्पताल से डिस्चार्ज को लेकर विवाद शुरू हुआ। अस्पताल की शिकायत के मुताबिक, रात करीब 12 बजे तक पांच मरीजों के इलाज और जांच का कुल बिल 19,866 रुपये हो गया था। इसमें से 10 हजार रुपये जमा किए गए थे। इसके बाद बाकी रकम और मरीजों को छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि कुछ लोग बाकी बिल चुकाए बिना ही मरीजों को अस्पताल से बाहर ले जाना चाहते थे। इसी बात को लेकर अस्पताल के कर्मचारियों और वहां पहुंचे लोगों के बीच बहस बढ़ गई। हालांकि शिवसेना के पालघर जिला प्रमुख कुंदन सांखे ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह घायल गोविंदाओं के इलाज और डिस्चार्ज के बारे में बात करने अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल की शिकायत के अनुसार, रविवार तड़के करीब 1.15 बजे 15 से 20 लोग अस्पताल के कैजुअल्टी विभाग में पहुंचे। आरोप है कि इनमें शिवसेना के पालघर जिला प्रमुख कुंदन सांखे और शहर प्रमुख राहुल घराट भी शामिल थे। डॉक्टरों से सीटी स्कैन कराने को लेकर सवाल–जवाब हुआ और कथित तौर पर महिला डॉक्टर के साथ गाली–गलौज और धमकी दी गई। अस्पताल के मुताबिक, एक कर्मचारी को थप्पड़ भी मारा गया। इस घटना का एक हिस्सा सीसीटीवी में रिकॉर्ड होने की बात कही गई है। अस्पताल की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मामला सिर्फ कैजुअल्टी विभाग तक नहीं रहा। कुछ लोग आईसीयू तक भी पहुंच गए और वहां भर्ती मरीजों को डिस्चार्ज करने का दबाव बनाया गया। अस्पताल प्रशासन ने इसे गंभीर मामला बताया है, क्योंकि आईसीयू में भर्ती दूसरे मरीजों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती थी।

सत्य निकेतन हादसा

रेखा गुप्ता ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश, पूरी दिल्ली में होगी सुरक्षा जांच

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह सत्य निकेतन में इमारत हादसे वाले स्थान का दोबारा दौरा किया और जारी बचाव एवं राहत अभियान का जायजा लिया। रविवार को सत्य निकेतन में एक इमारत गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने अधिकारियों को मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव प्रयास

करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, हादसे के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश भी दिए। घटना के बाद मुख्यमंत्री ने इमारत मालिक के खिलाफ मामला दर्ज करने और इमारत गिरने के कारणों की जांच के आदेश दिए। श्रीमती गुप्ता कल घटनास्थल पर करीब तीन घंटे तक रही थीं। आज सुबह वह एक बार फिर मौके पर पहुंचीं और जमीनी स्थिति का जायजा लेते हुए विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने दौरे के दौरान बचाव अभियान, सुरक्षा इंतजाम और प्रशासनिक जांच की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। लापरवाह पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई होगी, चाहे उसका प्रभाव या पद कितना भी बड़ा क्यों न हो। मुख्यमंत्री ने बताया कि इमारत मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

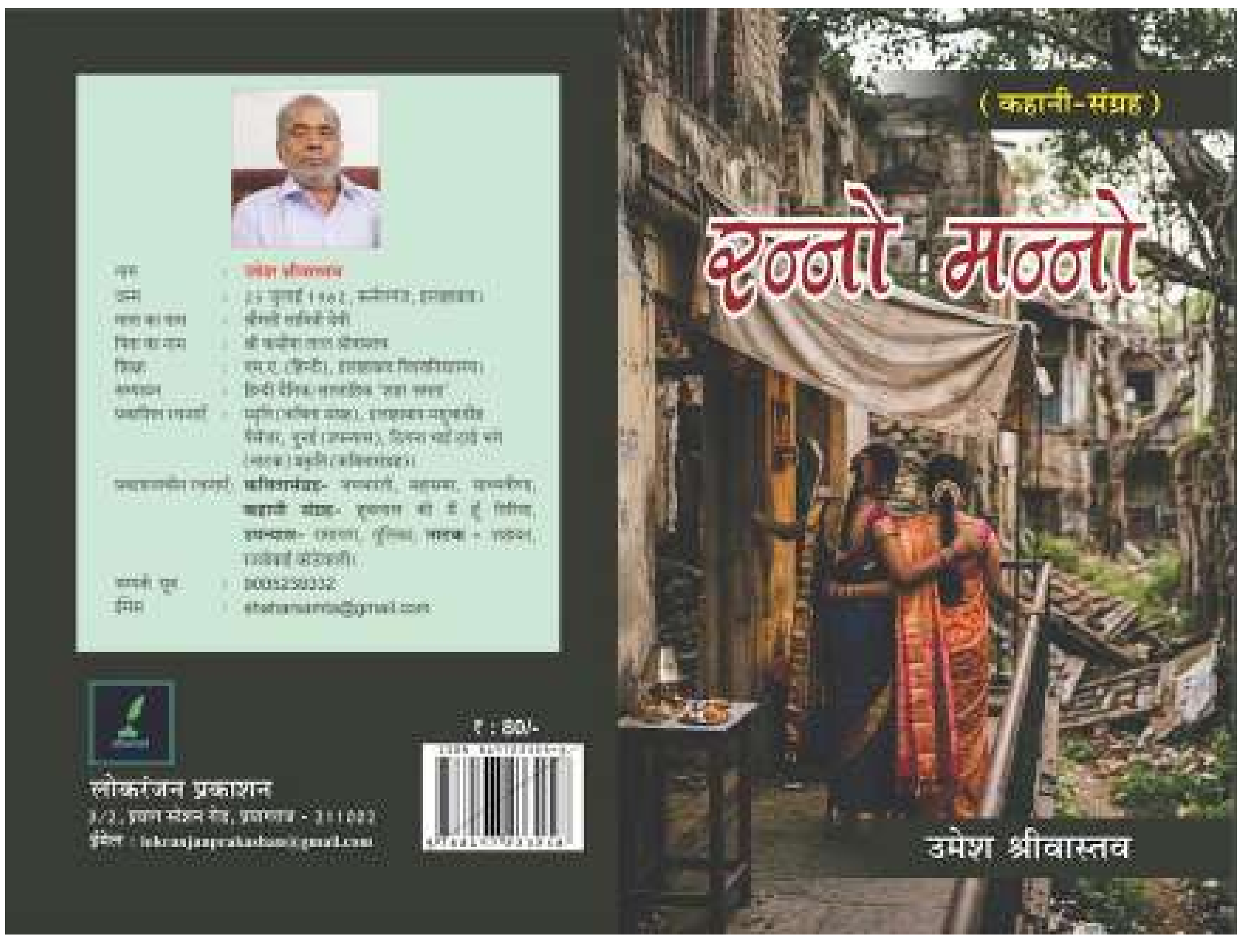

डीजे के शोर के मुद्दे पर फडणवीस दुविधा में हैं : संजय राउत

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने सोमवार को डीजे प्रतिबंध विवाद को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस इस मुद्दे पर ष्बीच का रास्ता अपनाकर बैठे हैंष् और कार्रवाई करने में विफल रहे हैं, जबकि ध्वनि प्रदूषण को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए राउत ने आरोप लगाया कि पुणे में मुंबई और नागपुर की तुलना में अलग रवैया अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई और नागपुर में पुलिस प्रमुखों ने तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम पर पाबंदियां लागू कर दी हैं। उन्होंने कहा, ष्लोग सड़कों पर उतरकर डीजे साउंड सिस्टम से होने वाली शारीरिक और मानसिक परेशानियों के बारे में अपनी बात रख रहे हैं। ये मुद्दे केवल पुणे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे महाराष्ट्र से जुड़े हुए हैं।ष राउत ने महाराष्ट्र की मंत्री मेघना बोर्डीकर के भाई की कथित मौत का भी जिक्र किया।

भारत के लॉजिस्टिक्स परिदृश्य का कायाकल्पः डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर से बढ़ी बहु–वस्तु ढुलाई दक्षता, उत्तर प्रदेश बना विकास का मुख्य केंद्र

प्रयागराज । भारत के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोरकृजिसमें 1,337 किमी लंबा पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और 1,506 किमी लंबा पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड शामिल हैंकृके पूर्ण परिचालन और निरंतर विस्तार ने देश के फ्रेट इकोसिस्टम को पूरी तरह से बदल दिया है। यात्री रेल लाइनों से मालगाड़ियों को अलग करके, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा विकसित 2,843 किमी का यह उच्च–क्षमता नेटवर्क रेल माल ढुलाई की उत्पादकता में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहा है। यह नेटवर्क भारतीय रेल के कुल नेटवर्क का केवल 4: होने के बावजूद कुल रेल माल ढुलाई का 14: से अधिक हिस्सा वहन कर रहा है।

'विविध वस्तुओं की तेज़ ढुलाई से आर्थिक वृद्धि को गति'

डी एफ सी नेटवर्क देश भर में मुख्य थोक वस्तुओं, निर्मित उत्पादों और उपभोक्ता सामानों की तीव्र आवाजाही के लिए एक उच्च–गति फ्रेट हाईवे के रूप में उभरा हैरू

☐ ईस्टर्न डी एफ सी माल परिवहन स्पेक्ट्रमरू यह महत्वपूर्ण थोक वस्तुओं की भारी–भरकम ढुलाई के लिए एक लाइफलाइन है, जिसमें कोयला, लोहा और इस्पात, उर्वरक, खाद्यान्न और कृषि उत्पाद, पेट्रोलियम–तेल–लुब्रिकेंट्स, सीमेंट व क्लिंकर और ऑटोमोबाइल शामिल हैं।

☐ पश्चिमी डी एफ सी माल परिवहन स्पेक्ट्रमरू यह उच्च मूल्य और विविधतापूर्ण कार्गो को संभालता है, जिसमें एफ एम सी जी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, टाइल्स और अन्य कीमती सामान ले जाने वाले कंटेनर शामिल हैं। इसके साथ ही कोयला, लोहा और इस्पात, उर्वरक, खाद्यान्न, पेट्रोलियम , ऑटोमोबाइल, सीमेंट और क्लिंकर जैसी थोक वस्तुओं का परिवहन भी किया जाता है।

☐ नवाचारी और विशिष्ट लॉजिस्टिक्स सेवाएंरू पश्चिमी डी एफ सी ने श्ट्रक ऑन ट्रेनश सेवा के माध्यम से दूध परिवहन और श्संयुक्त पार्सल उत्पाद–रैपिड कार्गो सेवाश के माध्यम से समय–संवेदनशील ई–कॉमर्स व पार्सल ट्रैफ़िक जैसी विशेष सेवाओं को सफलतापूर्वक प्रारंभ किया है।

'उत्तर प्रदेशः डी एफ सी परिचालन का मुख्य केंद्र'

उत्तर प्रदेश भारत के बहु–मॉडल परिवहन बुनियादी ढांचे में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है। यह दोनों माल ढुलाई गलियारों का एक प्रमुख जंक्शन बिंदु और प्राथमिक लाभार्थी हैः

☐ सबसे बड़ा नेटवर्क शेयररू उत्तर प्रदेश में पूर्वी डी एफ सी का 1,078 किमी का हिस्सा (किसी भी राज्य में सबसे लंबा) और पश्चिमी डी एफ सी का 19 किमी का हिस्सा आता है।

☐ रणनीतिक त्रि–जंक्शन और व्यापार कनेक्टिविटीरू ग्रेटर नोएडा स्थित दादरी एक प्रमुख अंतर्देशीय लॉजिस्टिक्स गेटवे के रूप में कार्य करता है। यह उत्तरी भारत के उपभोग केंद्रों को सीधे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल जैसे पश्चिमी समुद्री बंदरगाहों से जोड़ता है।

☐ औद्योगिक रीढ़रू पूर्वी डी एफ सी उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक शहरोंकृजैसे कानपुर, प्रयागराज और वाराणसीकृतथा कृषि क्षेत्रों को आपस में जोड़ता है। यह कच्चे माल (जैसे कोयला, स्टील और उर्वरक) की त्वरित आपूर्ति और निर्मित उत्पादों के सुचारू वितरण को सुनिश्चित करता है।

☐ मल्टी–मॉडल लॉजिस्टिक्स एकीकरणरू श्इन्वेस्ट यूपीश और डी एफ सी सी आई एल के सहयोग से, राज्य के प्रमुख रणनीतिक स्थानों जैसे न्यू भाऊपुर, न्यू दाउदखान, न्यू गुलाओठी, न्यू मिर्जापुर और न्यू दादरी में अत्याधुनिक श्गति शक्ति कार्गो टर्मिनलश (ळब्ज) और लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किए जा रहे हैं। ये टर्मिनल लास्ट–मील कनेक्टिविटी में सुधार कर औद्योगिक क्षेत्रों की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा रहे हैं।

'उत्तर मध्य रेलवे के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के मुख्य लाभ'

☐ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ज़रिए प्ब्क्ळ और प्ब्क्क से कंटेनर लोडिंग बढ़ी है, जिससे कमाई में 8: की बढ़ोतरी हुई है।

☐ च्ठब्ब टर्मिनल से लोडिंग में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है; चालू वित्त वर्ष में 251 रेक लोड किए गए, जो लगभग 50: की वृद्धि है।

☐ श्रच्च्द्ृत्झ् सर्विस के तहत, न्यू दादरी से हर दिन लगभग 10 टच की लोडिंग हो रही है, जिससे उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न को प्रतिदिन लगभग ध्10 लाख की आय अर्जित हो रही है।

☐ क्थ्ब् ऑपरेशन की वजह से डिवीज़न के सभी पावर प्लांट तक कोयले की ढुलाई तेज़, आसान और ज़्यादा भरोसेमंद हो गई है, जिससे बिजली की सप्लाई बिना रुकावट जारी रहती है।

☐ डिवीज़न से अनाज की लोडिंग बढ़ने के कारण चालू वित्त वर्ष में कमाई में लगभग 90: की बढ़ोतरी हुई है।

☐ डिवीज़न के सभी गुड्स शेड और साइडिंग तक बुक किए गए सामान की समय पर डिलीवरी से कस्टमर सर्विस और ऑपरेशनल क्षमता में काफ़ी सुधार हुआ है।

☐ बंदरगाहों, खासकर श्रछच्ज् तक कंटेनर ट्रैफ़िक के लिए लगने वाला समय काफ़ी कम हो गया है, जिससे लॉजिस्टिक्स में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ी है।

☐ डी एफ सी कनेक्टिविटी के ज़रिए कोयला, स्टील, सीमेंट, खाद और दूसरे भारी सामान की ढुलाई तेज़ और ज़्यादा भरोसेमंद हो गई है।

☐ मौजूदा रेलवे रूट पर भीड़ कम होने से माल ढुलाई सेवाओं की समय–पाबंदी और क्षमता में सुधार हुआ है।

☐ क्थ्ब् की वजह से माल ढुलाई में हुई कुल बढ़ोतरी ने प्रयागराज मंडल की कमाई के आधार को मज़बूत किया है और क्षेत्रीय आर्थिक विकास में मदद की है।

'राष्ट्रीय प्रभाव और सामाजिक–आर्थिक लाभ'

डी एफ सी नेटवर्क के परिचालन से पूरे देश में लॉजिस्टिक्स दक्षता में भारी सुधार हुआ हैः

☐ उच्च परिचालन क्षमतारू अगस्त 2026 तक, इस नेटवर्क पर 5.21 लाख से अधिक मालगाड़ी यात्राएं पूरी की जा चुकी हैं, जिसमें प्रतिदिन औसतन लगभग 435 ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसने 658 बिलियन ग्रॉस टन किलोमीटर (ळज्ञड) और 360 बिलियन नेट टन किलोमीटर (छज्ञड) निष्पादित किया है।

☐ आर्थिक और औद्योगिक दक्षतारू यह राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स लागत को जीडीपी के 10: से नीचे लाने के वैश्विक मानक की ओर ले जाने में मदद करता है। पश्चिमी डी एफ सी पर डबल–स्टैक कंटेनर ट्रेनों और भारी मालवहन क्षमता के कारण प्रति टन परिवहन लागत में कमी आई है और आपूर्ति समयबद्ध हुई है।

☐ सड़क और रेल ट्रैफिक को राहतरू राजमार्गों से भारी माल ढुलाई को रेल पर स्थानांतरित करने से राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़भाड़, दुर्घटनाओं और सड़क रखरखाव की लागत में कमी आई है। साथ ही, मौजूदा रेल लाइनों से मालगाड़ियों का दबाव घटने से यात्री ट्रेनों की गति और समय पालन में सुधार हुआ है।

लोकार्पण से पहले ही 'राम वनगमन पथ' का दम निकला, 4400 करोड़ की सड़क 100 मीटर में चार जगह धंसी

प्रयागराज। लोकार्पण से पहले ही राम वनगमन पथ की सड़क ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शृंगवेरपुर धाम में करीब 100 मीटर के दायरे में चार स्थानों पर सड़क में दरार और धंसाव सामने आया है। सड़क पर आवागमन रोककर ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है।

भगवान श्रीराम की वनगमन यात्रा से जुड़े तीर्थस्थलों को जोड़ने के लिए तैयार हो रहा राम वनगमन पथ लोकार्पण से पहले ही अपनी मजबूती की परीक्षा में फेल होता नजर आ रहा है। शृंगवेरपुर धाम में लखनऊ मार्ग से गंगा पुल की ओर जाने वाली नवनिर्मित सड़क कई जगह धंस गई है। करीब 100 मीटर के दायरे में सड़क पर चार स्थानों पर दरारें पड़ने के साथ ही उसका कुछ हिस्सा नीचे बैठ गया है। सड़क की हालत को देखते हुए इस पर आवागमन रोक दिया गया है।

खास बात यह है कि जिस महत्वाकांक्षी परियोजना पर अरबों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, उसका लोकार्पण आने वाले महीने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराने की तैयारी है। ऐसे में लोकार्पण से ठीक पहले सड़क में दरार और धंसाव ने निर्माण एजेंसी से लेकर विभागीय निगरानी तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर सड़क धंसने की वजह पूछी है।

बारिश आई तो सड़क की पोल खुल गई

शृंगवेरपुर धाम में गंगा पुल से पहले सड़क की सतह पर कई स्थानों पर दरारें दिखाई दे रही हैं। कुछ हिस्सों में सड़क नीचे बैठ गई है। करीब 100 मीटर के दायरे में चार जगह ऐसी स्थिति सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि अभी सड़क पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई और सामान्य बारिश में ही उसका एक हिस्सा धंस गया। भविष्य में इस मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ने पर सड़क की स्थिति क्या होगी, इसे लेकर भी चिंता है। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के साथ निर्माण में इस्तेमाल सामग्री और सड़क की तकनीकी गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है।

अयोध्या से चित्रकूट तक जुड़ेगा धार्मिक गलियारा

राम वनगमन पथ परियोजना के तहत अयोध्या से चित्रकूट तक करीब 210 किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जा रहा है। करीब 4,400 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, शृंगवेरपुर धाम, कौशाम्बी और चित्रकूट को सड़क संपर्क से जोड़ने की योजना है। परियोजना का उद्देश्य धार्मिक स्थलों तक श्रद्धालुओं की पहुंच आसान करने के साथ पर्यटन को बढ़ावा देना है। इससे संबंधित क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ने की भी उम्मीद है। इसी महत्वाकांक्षी योजना की सड़क का निर्माण पूरा होने से पहले ही क्षतिग्रस्त होना विभाग के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है।

गंगा पुल परियोजना की भी अहम कड़ी

शृंगवेरपुर धाम में गंगा नदी पर बन रहा करीब 1,200 मीटर लंबा छह लेन का पुल राम वनगमन पथ परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके जरिए गंगापार क्षेत्र को कौशाम्बी और आगे चित्रकूट से जोड़ने की योजना है। पुल के आसपास सड़क के धंसने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब मार्ग पर अभी यातायात का पूरा दबाव भी नहीं है, तब सड़क में इस तरह की खराबी कैसे आ गई। उनका कहना है कि केवल मरम्मत करा देने के बजाय इसकी वजह की तकनीकी जांच जरूरी है।

2022 में हुआ था परियोजना का शिलान्यास

राम वनगमन पथ परियोजना का वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद और विधायक की मौजूदगी में वर्चुअल शिलान्यास किया था। धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस परियोजना से अयोध्या से चित्रकूट तक श्रद्धालुओं के लिए यात्रा सुगम होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माणाधीन सड़क के धंसने की घटना ने निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभाग सड़क की मरम्मत के साथ निर्माण की गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर कराता है।

ठेकेदार से पूछा, सड़क आखिर धंसी कैसे

सड़क क्षतिग्रस्त होने के बाद विभाग की ओर से संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है। इसमें सड़क धंसने के कारणों को लेकर जवाब मांगा गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार क्षतिग्रस्त हिस्से को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा। एनएच के अधिशासी अभियंता रवींद्र पाल सिंह ने बताया कि बारिश के कारण राम वनगमन पथ का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। इसे जल्द ठीक करा दिया जाएगा। हालांकि, निर्माणाधीन सड़क के इतने कम दायरे में चार स्थानों पर दरार और धंसाव सामने आने के बाद सिर्फ बारिश को वजह बताना सवालों को पूरी तरह शांत नहीं करता। निर्माण की गुणवत्ता और सड़क की मजबूती की जांच के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

उफनाई गंगा की तेज धारा में भी हाथ छोड़ा न साथ, एक साथ विदा हुए दो दोस्त

प्रयागराज। स्कूल की कक्षा हो या कोचिंग की पढ़ाई, रुद्र प्रताप और अर्पण विश्वास की दोस्ती के चर्चे सभी की जुबां पर रहते थे। लोग इन्हें जय–वीरू करते थे। दोनों हर जगह साथ जाते थे। पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी तक उनकी दोस्ती की मिसाल दी जाती थी।

स्कूल की कक्षा हो या कोचिंग की पढ़ाई, रुद्र प्रताप और अर्पण विश्वास की दोस्ती के चर्चे सभी की जुबां पर रहते थे। लोग इन्हें जय–वीरू करते थे। दोनों हर जगह साथ जाते थे। पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा की जिंदगी तक उनकी दोस्ती की मिसाल दी जाती थी। एक दिन पहले शिक्षक दिवस पर दोनों जमकर मस्ती की थी। एक साथ कई तस्वीरें लीं। रविवार को दोनों के एक साथ डूबने की जानकारी पर कोचिंग से स्कूल तक सभी स्तब्ध थे।

तीसरे दोस्त सुमित ने बताया कि गंगा में डूबने के दौरान भी दोनों ने एक–दूसरे का हाथ थामे रखा। दोनों की मौत की खबर स्कूल के शिक्षकों को हुई तो सभी स्तब्ध रह गए। सुमित ने बताया कि शिक्षक दिवस पर दोनों ने एक साथ एक ही बेंच पर बैठकर तस्वीरें लीं। दोनों एक साथ खुश नजर आ रहे थे। परिजनों के लिए सबसे बड़ा सदमा यह है कि दोनों दोस्त जीवनभर साथ रहे और मौत भी उन्हें अलग नहीं कर सकी।

स्कूल से लेकर कोचिंग तक साथ रहने वाले इन दोनों दोस्तों की तस्वीरें और यादें अब परिवार के सामने बार–बार आ रही हैं।घर का चिराग था अर्पण, रुद्र प्रताप की मौत से परिजन सदमे में रू हवेलिया इलाके में रविवार की दोपहर गंगा में डूबने वाला किशोर अर्पण विश्वास घर का चिराग था। नई झूंसी निवासी अर्पण विश्वास के पिता अरुण किसी तरह परिवार का भर

पोषण कर रहे थे। इकलौते बेटे की मौत से मां सुप्रिया विश्वास बेसुध पड़ी रहीं। आवास विकास कॉलोनी योजना तीन के सेक्टर 10 निवासी रुद्र प्रताप के पिता रविकांत सिंह का देव नगर कॉलोनी में जनरल स्टोर है। दो बेटों में रुद्र प्रताप बड़ा था। भाई की मौत से छोटा भाई शौर्य प्रताप और मां हेमलता बेसुध हैं।

सालभर पहले भी सोहम आश्रम में डूबे थे दो किशोर

हवेलिया सोहम आश्रम के पास पिछले साल अप्रैल में भी दो किशोर गंगा में नहाने के दौरान डूब गए थे। नैका गांव निवासी जय सिंह का बेटा अर्पित (11), दिनेश कुमार का बेटा लवकुश (9) और हौसला प्रसाद का बेटा वैभव (14) दोपहर में आम तोड़ने के लिए घर से कुछ दूर स्थित बगिया में साइकिल से पहुंचे।

उन्होंने आम तोड़ा, इसके बाद तीनों सोहम आश्रम के नीचे गंगा में नहाने तट पर पहुंचे और नहाने लगे। लवकुश गहरे पानी में डूबने लगा तो अर्पित उसे बचाने आगे बढ़ा। जब दोनों डूबने लगे तो वैभव ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन वह असफल रहा। दोनों पानी में डूबने लगे तो वैभव ने शोर मचाना शुरू किया।

मौके से कुछ दूर मौजूद चरवाहे वैभव के पास पहुंचे और दोनों बच्चों को तलाशना शुरू किया। वहीं, एसडीआरएफ, जल पुलिस और गोताखोरों ने भारी मशक्कत के बाद अर्पित का शव बाहर निकाला। दो दिन बाद दूसरे किशोर का भी शव पानी से बाहर निकाला गया।

सुमित बोला– आंखों के सामने डूबे दोस्त, मैं कुछ न कर सका

हवेलिया वार्ड में सोहम आश्रम के किनारे गंगा में दो दोस्तों के डूबने का वाकया बताते–बताते तीसरे दोस्त सुमित की आंखें भर आईं। सुमित यही कहता रहा कि वह अपने दोस्तों को डूबता देखता रहा, उनकी मदद न कर सका।

सुमित ने बताया कि रुद्र प्रताप और अर्पण के साथ वह सोहम आश्रम स्थित गंगा नदी की ओर घूमने आए थे। रुद्र और अर्पण आते ही नदी में उतर गए। वह गहरे पानी में जाने लगे तो सुमित ने मना किया कि मत जाओ लेकिन दोनों नहीं माने और गहरे पानी में चले गए। सुमित अपनी आंखों के सामने रुद्र और अर्पण को डूबता देखता रहा। मदद के लिए आवाज लगाई लेकिन उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था।

कुछ ही पल में दोनों दोस्त उसकी आंखों से ओझल हो गए। जिन दोस्तों के साथ सुमित स्कूल और कोचिंग जाता था। वह दुनिया से विदा हो चुके थे। हादसे के बाद उसकी चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और जल पुलिस के साथ दोनों की तलाश शुरू की।

बाढ़ और बारिश से आम आदमी के बाद अब गोवंश की बढ़ी मुश्किलें, चलेगा टीकाकरण अभियान

प्रयागराज। प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश और बाढ़ के बाद मानसून में लंपी संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए पशु मेलों के आयोजन स्थगित कर दिए गए हैं और पशु परिवहन पर भी पाबंदी लगाई गई है। प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश और बाढ़ के बाद मानसून में लंपी संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए पशु मेलों के आयोजन स्थगित कर दिए गए हैं और पशु परिवहन पर भी पाबंदी लगाई गई है। वायरस से बचाव के लिए शासन ने पशु टीकाकरण का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिले में 2020 की पशुगणना में गोवंश और महिष वंश की संख्या 13 लाख 77 थी, जो 2021 में 8.90 लाख हो गई है। झांसी जिले में कुछ गोवंश में लंपी के लक्षण मिलने और एक की मृत्यु के बाद रक्त जांच के लिए भेजा गया है। प्रयागराज के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ एसएन यादव का कहना है कि जिले में अभी लंपी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विभाग सतर्क है। जिले में सघन टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है और 48 हजार लंपी के टीके मंगाकर टीकाकरण जारी है। जनपद की सीमा मध्य प्रदेश से मिलती है, इसलिए इन सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता जारी है। विभाग द्वारा सर्वेक्षण कराया जा रहा है। डॉ एसएन यादव ने बताया कि कोरांव का पूरा क्षेत्र संवेदनशील है, जहां सभी गोवंश का सर्वेक्षण और रिंग टीकाकरण हो रहा है। जिले की गोशालाओं में 23 हजार से अधिक संरक्षित गोवंश का टीकाकरण किया जा रहा है। इसके लिए पशुपालन विभाग की 37 टीमें लगाई गई हैं। मोबाइल वेटनरी वैन भी गांव–गांव जा रही हैं। रीवा जिले की सीमा से सटे मेजा के बड्डीहा गांव के पशुपालक रोशन लाल ने अपनी दो गायों का टीका लगवाया है। जोर गांव के सुशील सिंह ने बताया कि पशुपालन विभाग की मोबाइल वेटनरी वैन के शिविर से उन्होंने गांव की सभी गायों का टीकाकरण कराया है। मानसून और बारिश के बाद विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए पशुधन ने जुलाई से ही टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया था।

वरिष्ठ समाजसेविका एवं अधिवक्ता सुभाष राठी का निधन

'अंतिम पायदान के लोगों की आवाज बनीं, 450 से अधिक दिव्यांग बेटियों का कराया विवाह'

प्रयागराज। अनाम स्नेह की संरक्षक, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद श्रीमती सुभाष राठी का 6 सितंबर को नई दिल्ली में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही प्रयागराज के सामाजिक एवं अधिवक्ता संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई।

सोमवार सुबह उनके पुत्र अधिवक्ता राहुल राठी पार्थिव शरीर लेकर प्रयागराज स्थित प्रीतम नगर आवास पहुंचे। उनके अंतिम दर्शन के लिए आवास से लेकर रसूलाबाद घाट तक शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं एवं उनके चाहने वालों का तांता लगा रहा। रसूलाबाद घाट पर उनके पुत्र राहुल राठी ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया।

श्रीमती सुभाष राठी ने अपने सामाजिक एवं अधिवक्ता जीवन में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की आवाज को मजबूती से उठाया। अनाम स्नेह संस्था के माध्यम से पिछले 19 वर्षों में 450 से अधिक दिव्यांग बेटियों के विवाह कराने तथा हजारों दिव्यांगजनों को चलित दुकान उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलंबी एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य किया।

वर्ष 2002 से 2022 तक उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ निभाईं। सड़क से लेकर उच्च न्यायालय तक जरूरतमंदों की लड़ाई लड़ने वाली सुभाष राठी का सामाजिक सरोकार उनके पेशेवर जीवन की भी महत्वपूर्ण पहचान रहा।

'लोकसेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चोपड़ा' ने कहा कि सुभाष राठी का निधन 'प्रयागराज के सामाजिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है'। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों और दिव्यांगजनों के लिए उनका योगदान लंबे समय तक याद किया जाएगा।

अनाम स्नेह के संयोजक एवं वरिष्ठ समाजसेवी शिक्षक 'श्रीनारायण यादव' ने कहा, "'यह मेरी व्यक्तिगत क्षति है। ईश्वर हैं या नहीं, इस पर विवाद हो सकता है, लेकिन अपनी ममता से हम सबको सिंचित करने वाली ममतामयी दीदी का अब कोई विकल्प नहीं है।"' लोक सेवक मंडल के मीडिया प्रभारी रविशंकर मिश्र ने कहा कि सुभाष राठी का जीवन समाजसेवा, न्याय और मानवीय संवेदना को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज ने एक वरिष्ठ समाजसेविका ही नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए सदैव खड़े रहने वाला एक मजबूत अभिभावक खो दिया है।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में लोकसेवक मंडल प्रयागराज के सचिव ब्रह्मप्रकाश तिवारी, वरिष्ठ पार्षद आनंद घिडियाल, शिवसेवक सिंह, कमलजीत, सी डब्लू सी के चेयरमेन अखिलेश मिश्र, यमुनोत्री गुप्ता, महिला अधिवक्ता श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती राज लक्ष्मी, डॉ गीता कौरा, ममता सिंह,सामाजिक एकता परिषद के अध्यक्ष ओमप्रकाश शुक्ला, अधिवक्ता श्रीमती रश्मि, अनुराधा, श्रीमती दुर्गा तिवारी, समाजसेवी राकेश बनोधा, कुलदीप यादव, अधिवक्ता आशीष द्विवेदी,नीलू जायसवाल, अरविन्द चोपडा, मनोज केशरवानी,जावेद सिद्दीकी, प्रशांत मौर्य, समाजसेवी अनुराधा, दिव्यांग मोर्चा के अध्यक्ष लवलेश सिंह, रवि कुमार,सुनील कुमार,शिखर यादव,चंदन, गुड्डू पंडित, शानू, रिंकू, अर्पित, कुशल, सुजीत एवं सगीर अहमद सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्री सिद्धि विनायक फाउंडेशन का माता की चौकी एवं विशाल भंडारा संपन्न

प्रयागराज। बादशाही मंडी स्थित चमेली देवी धर्मशाला में श्री सिद्धि विनायक फाउंडेशन (रजि.) द्वारा आयोजित दो दिवसीय धार्मिक आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। 5 सितंबर, शनिवार की रात को हुई माता की चौकी में पूरी गली को दुल्हन की तरह सजाया गया था, जिसमें देर रात तक भक्तों ने भजनों

का आनंद लिया। वहीं 6 सितंबर, रविवार को आयोजित विशाल भंडारे में लगभग 2500 से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी अरविन्द पांडेय ने बताया कि यह आयोजन प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े पैमाने पर किया गया।

इस अवसर पर समस्त सदस्य – रत्नेश यादव, भानूप्रकाश, अनूप मिश्रा, अरविन्द पांडेय, सक्षम गुप्ता, रामबाबू मिश्रा, र विकास द्विवेदी, अल्ताफ खान, सूरज गौड़, रजत केसरवानी, अंकित यादव, राजीव, संजय कुशवाहा, विवेक यादव, शाहिद, अनुज (डुग्गू), तबरेज, पवन मिश्रा, बृजेश पाठक, नंदिनी जी के साथ कई महिलाओं एवं क्षेत्र के सभी जनमानस उपस्थित रहे।

शहर समता विचार मंच की जबलपुर इकाई की ऑनलाइन काव्यगोष्ठी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार की जबलपुर इकाई द्वारा आयोजित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी। रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में डा. कामना कौस्तुभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। सारस्वत अतिथि के रूप में छाया त्रिवेदी एवं विशिष्ट अतिथि अर्चना मलैया, डा. राजलक्ष्मी शिवहरे काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती

वंदना की सुंदर प्रस्तुति अंजलि तिवारी द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन अनीता दुबे एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, रचना सक्सेना जबलपुर, राजकुमारी रैकवार, रेखाचौधरी, गायत्री चौबे, कृष्णा राजपूत,शशि कला सेन, तरुणा खरे, मंजूषा, रश्मि पांडे,कुमकुम शुक्ला, आरती शर्मा, चंद्र प्रकाश वैश्य,आशा श्रीवास्तव, अनुराधा गर्ग, चंदा देवी स्वर्णकार, डा.मुकुल तिवारी रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन अनीता दुबे ने किया।

शिक्षक राष्ट्र के भविष्य निर्माता, संस्कारवान पीढ़ी गढ़ना बड़ी जिम्मेदारी

श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस पर प्रस्तुतियों ने बांधा समां, गुरुजनों का हुआ सम्मान

महावन। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, कविता और प्रेरणादायी प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विद्यालय प्रबंधक डॉ. सुरेंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि गिरिराज शरण पांडे, डॉ. शालिनी अग्रवाल, सुश्री खुशबू चक, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. लोकेश पालीवाल एवं प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कक्षा 11–बी की छात्रा पद्माक्षी ने 'आरंभ है प्रचंड' वंदना

प्रस्तुत कर वातावरण को राष्ट्रभाव से ओतप्रोत कर दिया। सलोनी, यशस्वी, चंचल, खुशबू व तनु ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। चंचल तिवारी के राजस्थानी लोकनृत्य ने खूब तालियां बटोरीं। छात्रा प्रजाक्षी ने अब्राहम लिंकन द्वारा अपने पुत्र के शिक्षक के नाम लिखे प्रसिद्ध पत्र की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जबकि डिंपल चौधरी ने कविता पाठ से गुरु की महिमा का बखान किया। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भविष्य निर्माता हैं। वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके चरित्र, व्यक्तित्व और संस्कारों का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ नैतिक मूल्य, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि गिरिराज शरण पांडे ने कहा कि शिक्षक समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी सफलता के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकते हैं। समारोह में डॉ. शालिनी अग्रवाल, सुश्री खुशबू चक, डॉ. अरविंद शर्मा और डॉ. लोकेश पालीवाल ने भी शिक्षक की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विचार रखे। मुख्य अतिथि ने विद्यालय के समस्त शिक्षकों को पटुका पहनाकर प्रशस्ति–पत्र व उपहार भेंट कर सम्मानित किया। अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान उपप्रधानाचार्य शिवकुमार निगम, वरिष्ठ शिक्षक संजय वर्मा, स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला समेत विद्यालय के शिक्षक–शिक्षणेत्तर कर्मचारी और करीब 1000 छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। अंत में प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार जताया।

प्रतापगढ़ : पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न, विकास कार्यों को मिली गति

चलेगा सदस्यता अभियान/मुख्यमंत्री से मिलने हेतु भेजा जायेगा प्रत्यावेदन

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में प्रबंध संस्था भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सावन मेला की समीक्षा तथा धाम की नियमित गतिविधियों व विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रबंध समिति सदस्यों ने नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए 2 नग 20 मीटर हाई मास्ट लाइट व 2 नग 16 मीटर हाई मास्ट लाइट के स्थान का चयन किया और कार्यों को गति प्रदान करते हुए विकास में निस्वार्थ भागीदारी का आह्वान किया।

सर्वप्रथम धाम के महासचिव समाज शेखर ने सभी का स्वागत करते हुए सावन मेला की आख्या प्रस्तुत की। फिरोज गाँधी महाविद्यालय रायबरेली के प्राचार्य उदय भान सिंह ने सपत्नीक प्रतिभाग कर भोले नाथ का विधिवत पूजन किया, सामाजिक, सार्वजनिक व विकास कार्यो में निष्पक्ष भूमिका निभाने का सभी सदस्यों से आवाहन किया। वहीं शिव महापुराण कथा के स्थगित होने के प्रकरण की जांच आख्या विधि परामर्शी रमा शंकर मिश्र ने प्रस्तुत की। सर्वसम्मति से तय हुआ कि उक्त आख्या और

सुझाव से जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराकर समुचित कार्रवाई की अपेक्षा की जाए।

अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रबंध समिति सदस्यों के सहयोग से चल रहे प्रशासनिक कार्यालय के मरम्मत कार्य को अति शीघ्र पूर्ण कराए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही धाम की सार्वजनिक अतिक्रमित भूमि को धाम व समाज हेतु जनोपयोगी बनाए जाने हेतु मुख्यमंत्री से मिलने के लिए प्रत्यावेदन भेजकर समय लेना तय किया गया।

धाम पर नगर पंचायत द्वारा शुरू हो रहे कार्यों की निगरानी व सहयोग हेतु प्रबंध समिति सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई और नगर पंचायत से अपेक्षा की गई कि गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुव्यवस्थित रूप से सभी कार्य पूर्ण कराए जाएं। बैठक के बाद महासचिव समाज शेखर ने नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के साथ अध्यक्ष आवास पर प्रमुख पदाधिकारियों के विकास कार्यो व गुणवत्ता पर चर्चा किया।

सर्वसम्मति से यह भी तय हुआ कि धाम की प्रबंध संस्था का सदस्यता अभियान चलाकर स्थानीय और क्षेत्रीय समाज के सनातन धर्मावलंबियों को धाम के विकास में सक्रिय सहभागिता कराई जाए। यह अभियान गांव–गांव में ष्सबके लिए खुला है मंदिर, यह हमारा ध्येयष के साथ चलाया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अशोक अग्रहरि, मेला समिति से बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम उपस्थित रहे।

संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ द्वारा संस्कृत भाषा के संरक्षण संवर्धन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि उत्पन्न करने के लिए संस्कृतप्रतिभा खोज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर में किया गया। इसका आयोजन प्रयागराज मंडल के मंडल संयोजक अनन्त कीर्ति त्रिपाठी जी और प्रयागराज जनपद के जनपद संयोजक डॉ. मनोज कुमार शर्मा जी के नेतृत्व में हुआ। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर अनिल प्रताप गिरि, अध्यक्ष, संस्कृत–विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहें और अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि समस्त वैश्विक समस्याओं का

समाधान संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परम्परा में उपलब्ध है. अध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर जनार्दन पाण्डेय श्मणिश निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर उपस्थित रहे. प्रोफेसर मणि ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत ज्ञान विज्ञान की भाषा है. इसे देश के प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए. इस वर्ष दो प्रतियोगिताओं गीत और सामान्य ज्ञान का आयोजन किया गया, जिसमें 35 विद्यालयों से लगभग 200 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया और लगभग 150 विद्यार्थी उपस्थित रहे। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में ऋषभ द्विवेदी,श्री भारती तीर्थ वेद पाठशाला वेदभवन, ने प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफलता अर्जित की, जबकि गीत प्रतियोगिता में अंशिका, सरदार पटेल इंटर कॉलेज कोरांव,ने प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रही. सामान्य ज्ञान में द्वितीय एवं तृतीय क्रमशः इंद्राक्षी, संत एंथोनी कान्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज,और आराध्य, महर्षि विद्या मन्दिर रहें. सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार के रूप में विवेक यादव, रत्नेश और रुद्रांश का चयन किया गया. गीत प्रतियोगिता में द्वितीय एवं तृतीय क्रमशः कार्तिकेय पाण्डेय, महर्षि विद्या मन्दिर और अंशु, महर्षि पाणिनि संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय, रहे. सांत्वना पुरस्कार के रूप में कुशल शर्मा, ओम तिवारी और अक्षय त्रिपाठी का चयन किया गया. सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. ललित कुमार संस्कृत–विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं डॉ. भानु प्रकाश त्रिपाठी, संस्कृत–विभाग सी. एम. पी. महाविद्यालय प्रयागराज, रहे. वही गीत प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. अश्विनी देवी, संस्कृत–विभाग,ईश्वर शरण महाविद्यालय एवं डॉ. यशवंत कुमार त्रिवेदी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर रहे। इस कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत–विभाग, सी. एम. पी. महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेन्द्र पाल सिंह जी रहे. प्रोफेसर सिंह ने अपने उद्बोधन में नचिकेता के धैर्य और दृढ़ निश्चय का उदाहरण देते हुए छात्रों में उत्साह का संचार किया. उन्होंने आगे बताया कि छात्रों के अन्दर छिपी हुई प्रतिभा का अन्वेषण करना ही इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य है. इस अवसर पर डॉ. सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, डॉ. दीप्ति विष्णु, डॉ. किरन वर्मा के साथ ही जनपद के अन्यान्य महाविद्यालयों के अनेक प्राध्यापक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध–छात्रों में आदित्य, उज्ज्वल, पियूष, हिमांशु, पवन, शिवम, विपिन चाँद मुहम्मद, मोहित, सहित शताधिक लोग उपस्थित रहे. सरस्वती वंदना और स्वागत गीत खुशी सिंह, खुशी पटेल, प्रियांशु, खुबशु, अंशु ने गाया. मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय बहादुर ने किया।

आगरा–अलीगढ़ मंडल में जल्द गठित होंगी 'उपज' की नई इकाइयां : अतुल जिंदल

पत्रकारों की सुरक्षा–पेंशन समेत 5 प्रस्ताव पारित, पेंशन दान नहीं अधिकारः डा. प्रसून शुक्ला

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक रविवार को विधायक निवास–2, दारुलशफा स्थित कॉमन हॉल में हुई। प्रदेशभर से आए पत्रकारों ने सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर मंथन किया। बैठक में 60 वर्ष की आयु के बाद पत्रकारों को पेंशन, पत्रकार सुरक्षा कानून, स्वास्थ्य बीमा, राज्य संपत्ति विभाग के गेस्ट हाउस में समान दर तथा जिलों में स्थायी समिति गठन संबंधी पांच प्रस्ताव पारित किए गए।

उपज मथुरा इकाई के जिलाध्यक्ष एवं आगरा – अलीगढ मंडल प्रभारी अतुल कुमार जिंदल ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं को मजबूती से उठाने के लिए संगठन का विस्तार जरूरी है। आगरा–अलीगढ़ मंडल में उपज की नई जिला इकाइयों का गठन जल्द किया जाएगा। इससे मंडल के पत्रकारों को संगठित मंच मिलेगा और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन–प्रशासन के सामने रखा जा सकेगा। मुख्य अतिथि जनता दल (सेकुलर) के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र के तीनों स्तंभों की मार्गदर्शक है। मीडिया समाज, प्रशासन और राजनीतिक व्यवस्था को सही दिशा दिखाने के साथ जरूरत पड़ने पर चेतावनी और आलोचना भी करता है।

मुख्य वक्ता एपीएन न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. प्रसून शुक्ला ने कहा कि पत्रकारों की पेंशन कोई दान नहीं, बल्कि उनके योगदान और सम्मान से जुड़ा अधिकार है। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत तिवारी ने लंबित मांगों पर सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की। एनयूजेआई के राष्ट्रीय महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी ने पत्रकारों से दायित्वबोध के साथ सत्य को उजागर करने का आह्वान किया। एनयूजेआई के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मलिक ने उत्तर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. फल कुमार पंवार ने पत्रकारों की मांगों को लेकर संघर्ष तेज करने की बात कही।

मथुरा के पदाधिकारी सम्मानित

समारोह में उपज के संस्थापक महामंत्री स्व. राधेश्याम लाल कर्ण के पत्रकारिता एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान को याद किया गया। उनकी स्मृति में वाराणसी, भदोही, रायबरेली और अंबेडकर नगर की जिला इकाइयों को पर्यावरण सम्मान प्रदान किया गया।

इस दौरान उपज मथुरा के जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल, जिला कोषाध्यक्ष विपिन अग्रवाल एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंघल सहित अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। संचालन प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने किया।

प्रेम बिना कुछ भी नहीं

कथनी–करनी एक, साधु के द्वारे दिखती।
खुलती जहाँ किताब, धर्म की बातें करती।
मानवता के तीर्थ, मौन धारण कर कहते।
साझा करते बात, सदा वे हँसते रहते।
व्रत,संयम अध्याय का, पहला पावन पृष्ठ है।
रोचकता के साथ में, जिसमें सब कुछ दृश्य है।।

भ्रम अरु भय से दूर, आत्म– चिंतन की धारा।
माया को रख पास, करे जो सदा किनारा।
बादल–सा फैलाव, वृष्टि अरु गर्जन जिसमें।
जिसकी जैसी सोच, उसी–सा रहता उसमें।
खुलकर कहता है हृदय, चिंतन मौन विवेक है।
प्रेम बिना कुछ भी नहीं, कहिए मत अतिरेक है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर प्रशांत मौर्य को 'अष्टावक्र गौरव सम्मान''

प्रयागराज। शिक्षक दिवस के अवसर पर बैंक रोड स्थित राजर्षि टंडन सेवा केंद्र में दिव्यांग शिक्षकों एवं दिव्यांगजनों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नेशनल जीनियस इंस्टीट्यूट (छळप्), सलोरी के निदेशक एवं कंप्यूटर शिक्षा विशेषज्ञ प्रशांत मौर्य को मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के

माननीय न्यायमूर्ति गौतम चौधरी ने 'अष्टावक्र गौरव सम्मान' से सम्मानित किया।सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रशांत मौर्य ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराना उनका निरंतर प्रयास है।प्रशांत मौर्य न्ब्ै की परीक्षाओं के कंप्यूटर विषय की कक्षाएं भी संचालित करते हैं। साथ ही ल्वनज्नइम चौनल 'व्ब्ै ।ब।क्म्डल' के माध्यम से विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी जानकारी और अध्ययन सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक सेवक मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चोपड़ा ने की। उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षक की समाज निर्माण में भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षक श्रीनारायण यादव तथा चंद्रभान द्विवेदी ने किया।समारोह में गुफरान खान, अनुराधा, ओमप्रकाश शुक्ला, अभिषेक चौहान, प्यारे लाल यादव, कॉमरेड मनोज पाण्डेय, मधु यादव, लवलेश सिंह, राकेश बनोधा, अनिल कुमार जायसवाल, घनश्याम मास्टर, राम रघुवीर, डॉ. सुधा पाण्डेय, पदमा सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

युवाओं ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में सोमवार को तेज बारिश के बीच 50 से अधिक युवाओं ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया। अलग–अलग जिलों से आए अभ्यर्थी लाइब्रेरियन के पदों पर भर्ती निकालने की मांग कर रहे थे। सुबह सुबह 7 बजे बारिश के बीच पहुंचे अभ्यार्थी ब्रजेश पाठक की आवास के सामने मुलाकात के लिए डटे रहे। अभ्यर्थियों ने बताया कि 2016 के बाद से लाइब्रेरियन के पदों पर भर्ती नहीं हुई है। इससे पहले भी वे यूपीएसएसएससी मुख्यालय के बाहर कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं। कई जगह बिना लाइब्रेरी साइंस की डिग्री वाले लोगों से काम कराया जा रहा है, जबकि संबंधित डिग्री लेने वाले युवा नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने पीईटी–2025 के आधार पर लाइब्रेरियन के पदों पर नई भर्ती निकालने की मांग की।

ब्रजेश पाठक जब घर से बाहर निकले तो अभ्यर्थी हाथ जोड़कर उनके सामने खड़े हो गए। कुछ युवाओं ने उनके पैर भी छुए। अभ्यर्थियों ने कहा 'सर, नौकरी चाहिए। हम लोग नौकरी की मांग को लेकर डर–डर की ठोकर खा रहे हैं। बताया कि इससे पहले 25 अगस्त को भी आए थे और आपसे मुलाकात किया था। उस दौरान आपने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के अध्यक्ष से फोन पर बात करवाई थी मगर उसे वार्ता का भी कोई नतीजा नहीं निकला। प्रयागराज से आई शुभम ने बताया कि लंबे समय से लाइब्रेरियन भर्ती की मांग कर रहे हैं। 14 मई, 2 जून और 19 जून 2026 को भी अभ्यर्थियों ने पिकप भवन का घेराव किया था। वहां अधिकारियों से मिलने नहीं दिया जाता और कर्मचारी ही उनसे बात करते हैं। अधिकारियों की ओर से कहा गया था कि लाइब्रेरियन के 362 पदों की अधियाचना मिल चुकी है। इसके बावजूद हर बार अगले महीने भर्ती निकालने की बात कहकर मामला टाल दिया जाता है। पिछली बार 2016 में लाइब्रेरियन के पदों पर भर्ती हुई थी। तब से युवा लाइब्रेरी साइंस की पढ़ाई और डिग्री पूरी करने के बाद नौकरी का इंतजार कर रहे हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि/कवि/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/655 दिनांक: 03.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कर्षण वितरण/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-कविo-कार्य ठेका-1044-2026

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल में सिम्पल साइनिंग को बाधित करने वाले पुराने OHE मास्ट को बदलने का कार्य (2nd Call)।

अनुमानित लागत: रु. 3,52,61,693.64 | बिड सुरक्षा राशि: रु. 7,05,200.00

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 25.09.2026, 14:00 बजे | बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 25.09.2026, 15:00 बजे | कार्य अवधि: 12 महीना

नोट-(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2040/26 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.......

जल-प्रलय के दौर में नदियों की अस्मिता

कैलाश मानसरोवर की तीर्थयात्रा का इस साल का सीजन 2013 की केदारनाथ यात्रा की याद दिलाता है। नेपाल के रास्ते तिब्बत की ओर बढ़ते यात्रियों के साथ सैंकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग भयानक तबाही में काल के गाल में समा गए। आपदा राहत के लिए भारत समेत कई उदार देशों ने सहयोग का हाथ बढ़ाया है। नुकसान की भरपाई के लिए नेपाल के वित्त मंत्री ने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए 500 करोड़ डॉलर की मांग अपने सहयोगी देशों से की है। हिमालय के इतने विशाल खंड के टूट कर गिरने के पीछे तिब्बत (चीन) में हुए विकास कार्य से संबंध किसी से छिपा नहीं है। भीषण तबाही रचने के इस अपराध के कारण चीन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की आवाज भी उठती है। बिना बारिश के अचानक आई बाढ़ की स्थिति के साथ ही बादल फटने से मचने वाली तबाही की वजह से हिमालय में कोहराम मचा हुआ है। पूर्वोत्तर में असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों से बाढ़ की खबरें बराबर आ रही हैं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पश्चिमी हिमालय में बसे हैं। सैलाब की खबरें इन प्रदेशों से भी बराबर आ रही हैं। विकास और आधुनिकता के सपनों के सामने कुदरत का प्रतिकार अपने रौद्र रूप में दिखता है। पानी के रास्ते में अट्टालिकाएं खड़ी करने वाला नगर नियोजन विभाग इनका पुनघ्नर्माण कर अगली आपदा की तैयारी करता है। इस आधुनिकता के सामने लोक (स्थानीय समाज) घुटने टेकने को मजबूर हैं। 21वीं सदी में हमारे सामने कई संकट हैं। भू-राजनीतिक व्यवस्था बदल रही है। तकनीक इंसानी समझ से आगे निकल जाने का खतरा पैदा कर चुकी है। धरती पर जीवन का अस्तित्व खत्म होने का खतरा मौजूद है। चौथी औद्योगिक क्रांति और पोस्ट पैंडेमिक वर्ल्ड ऑर्डर को गति देने हेतु रेयर अर्थ मिनरल्स की खोज तिब्बत से लेकर आइसलैंड तक चल रही है। आज चीन और अमरीका समेत दुनिया भर के देश इसमें पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं। इसके पहले से तीसरे ध्रुव को जल का सर्वश्रेष्ठ भंडार माना जाता है। चीन ने एशियन वाटर टावर के रूप में इसकी व्याख्या कर इसे खतरनाक हथियार में तबदील करने का लक्ष्य साध लिया है। हिमालय की व्यथा के नाम पर ट्रांस हिमालयन फोरम आरंभ करता है। वर्चस्व स्थापित करने की चीनी रणनीति में इसकी अहमियत है। भारत समेत 8 देशों ने मिल कर ङ्क्षहदूकुश और हिमालय के विकास के लिए 80 के दशक में प्रयास शुरू किया था। चीन और बंगलादेश के साथ नेपाल, भूटान, म्यांमार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी इसमें शामिल हैं। काठमांडू में इसका मुख्यालय बनाया गया। लेकिन चीन की पर्यावरण रक्षा इतने से पूरी नहीं होती। इसलिए ट्रांस हिमालयन फोरम शुरू किया गया। इसके सामने फ्रांस के साथ मिल कर भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सोलर अलायंस शुरू किया। भारत गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना बेसिन कोआपरेशन फोरम से चीन को दूर रखता है। इनमें बहुपक्षीय सांझीदारों ने जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिकी संतुलन जैसे मुद्दों को इन मंचों पर उठाया है। इनके साथ संयुक्त राष्ट्र और इसके विभिन्न घटक लगातार सक्रिय हैं। द्विपक्षीय राजनयिक संबंध का इतिहास इससे भी पुराना है। दरकते हिमालय को बचाने के लिए सभी प्रतिबद्धता का दावा कर रहे हैं। अपने देश में गंगा के पूजन का रिवाज है। नेपाल में बागमती और चीन में यैलो रिवर की संतानें संकट में हैं। बिहार के तमाम नेता आज फरक्का बैराज तोडने की बात पर आमादा हैं। लेकिन इसी गंगा पर सरहद पार बंगलादेश में बैराज बनाने का काम चल रहा है। दोनों देशों के बीच गंगा जल संधि को 12 दिसम्बर को 30 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इसके नवीनीकरण की प्रक्रिया में कई सवाल उठते हैं। जल पर कब्जा करने के इस दौर में नदी को ही खारिज किया जाता है। यदि ऐसा नहीं होता तो नीति निर्माता निचले क्षेत्र से पानी रोकने की अपील का जवाब देते। इस प्रश्न से मुंह फेर कर तोता नारा लग रहा, 'अविरलता बिन गंगा निर्मल नहीं'! आज हिमालय और गंगा की नैसघ्गकता को सहेजना ही सबसे आवश्यक है। इसके अभाव में गंगा, यमुना, गंडक, बागमती और कोसी जैसी नदियों के लिए अस्मिता का संकट बना रहेगा। पर्यावरण और पारिस्थितिकी का संकट खड़ा करने के लिए आज दोषियों की पहचान कर सजा देने की जरूरत है। 80 के दशक में पर्यावरण कार्यकर्ता, पत्रकार और विशेषज्ञों ने मिलकर यू.के. को भरपाई के लिए मजबूर किया था। पावर स्टेशनों से होने वाले प्रदूषण से नॉर्वे और पश्चिमी जर्मनी के जंगलों और झीलों को नुकसान पहुंचा था। शुरू में अंग्रेजों ने इस आरोप से इंकार कर विवाद खड़ा किया था। पर कई सालों के विवाद और बहस के बाद उन्हें अपनी जिम्मेदारी माननी पड़ी और अरबों पाउंड का भुगतान किया था। दुनिया के समने इस अपराध के दोषी को माफी मांगनी और नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। इससे पर्यावरण कार्यकर्त्ताओं, पत्रकारों और विशेषज्ञों को सफलता मिलेगी।

भारतीय नवाचार का वास्तविक हृदयस्थल, अनुसंधान प्रयोगशालाओं से 'विकसित भारत' की कक्षाओं तक

डा. सुकांत मजूमदार

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता की पहचान नहीं, ये हमारे देश के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख शिल्पकारों का सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के मार्गदर्शन में तथा 'विकसित भारत 2047' की दिशा में भारत की सामूहिक यात्रा में, नवाचार को अक्सर वैश्विक सूचकांक और वित्तीय खर्च जैसे तकनीकी नजरिए से देखा जाता है। फिर भी, नवाचार मूल रूप से एक मानवीय प्रयास है-यह छात्र की आंखों में जिज्ञासा की चमक और उस शिक्षक का अटूट समर्पण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा पीछे न छूट जाए।भारत में शिक्षा के मौजूदा विकास की सबसे खास बात यह है कि उच्च-स्तरीय प्रयोगशाला अनुसंधान और कक्षा की रोजमर्रा की हकीकत के बीच सोच-समझकर एक पुल बनाया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के तहत, नवाचार की परिकल्पना सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले एक उत्प्रेरक के तौर पर की गई है। यह विजन इस बात पर जोर देता है कि देश की वास्तविक प्रगति तभी हो सकती है, जब हमारे सबसे बेहतरीन शोध का फायदा आखिरी कतार में बैठे आखिरी बच्चे तक पहुंचे। 21वीं सदी में अपनी संप्रभुता और आर्थिक नेतृत्व को मजबूत करने की कोशिश कर रहे देश के लिए, एक मजबूत अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) ईकोसिस्टम बहुत जरूरी है। भारत में एक मौलिक बदलाव आया है, देश अब मुख्य रूप से वैश्विक तकनीक को अपनाने की बजाय, वैश्विक चुनौतियों के लिए समाधान विकसित करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह बदलाव वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की बढ़ती रैंकिंग में प्रतिङ्क्षबबित होता है, जहां देश 2014के 76वें स्थान से ऊपर उठकर 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, असली कहानी भारत की कार्यक्षमता में छिपी है। नवाचार इनपुट के 52वें स्थान की तुलना में, भारत नवाचार आऊटपुट में अब दुनिया भर में 32वें स्थान पर है। यह दिखाता है कि देश में नवाचार इनपुट को बड़े प्रभाव वाले नतीजों में बदलने की क्षमता, कई दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा बेहतर है। इस संस्कृति को 6,000 से ज्यादा उच्च शिक्षा संस्थानों (एच.ई.आई.) में आर. एंड डी. प्रकोष्ठ बनाकर और 59,300 अनुसंधान सहयोग स्थापित करके संस्थागत रूप दिया गया है। प्रधानमंत्री अनुसंधान फैलोशिप (पी.एम.आर.एफ.) द्वारा समर्थित भारत का प्रतिभा समूह भी अनुसंधान ईकोसिस्टम के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है। पी.एम.आर.एफ. ने 3,688 विद्वानों का समर्थन किया है, जिसके परिणामस्वरूप 10,300 शैक्षिक पत्रिका प्रकाशन, 7,966 सम्मेलन पत्र, 834 पेटेंट दाखिले और 221 पेटेंट स्वीकृत हुए हैं। पी.एम.आर.एफ. 2.0 10,000 फैलोशिप का समर्थन करने के लिए तैयार है और प्रधानमंत्री अनुसंधान प्रभाग (पी.एम.आर.सी.) को पहले ही 3,600 से अधिक फैलोशिप आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इस प्रकार भारत की बौद्धिक अवसंरचना का विस्तार जारी है। इसे उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एच.ई.एफ.) ने और बढ़ावा दिया है, जिसने 111 संस्थानों में 281 परियोजनाओं के लिए 47,000 करोड़ रुपए से अधिक की मंजूरी दी है। 'भारत में ए.आई. निर्माण' के विजन को आगे बढ़ाने के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में 4 समर्पित उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1,490 करोड़ रुपए का संचयी निवेश किया जाएगा। जहां यह अवसंरचना भारत की प्रगति का आधार प्रदान करती है, वहीं ज्ञान का लोकतंत्रीकरण इसे जीवंत बनाता है। ज्ञान तक पहुंच का यह विस्तार भारत के बौद्धिक संपदा ईकोसिस्टम में आए बड़े बदलाव के साथ-साथ हुआ है। घरेलू पेटेंट दाखिला 2014-15 के 42,763 से बढ़कर 2024-25 में 1,10,375 हो गया, जो 158 प्रतिशत की भारी वृद्धि को रेखांकित करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 2021-22 के बाद से इन दाखिलों में शिक्षा क्षेत्र की हिस्सेदारी 3 गुना बढ़ गई है, जो 11.15 प्रतिशत से बढ़कर 34.13 प्रतिशत हो गई है। सबसे अहम बदलावों में से एक है 'किताब एक, पढ़ें अनेक' (के.ई.पी.ए.) पहल। 'शिक्षा-प्राप्ति के लिए सार्वभौमिक डिजाइन' (यू.डी.एल.) पर आधारित इन भौतिक-सह-डिजिटल किताबों में छूकर महसूस किए जा सकने वाले डॉट्स, प्रिंट-से-ऑडियो तकनीक और आई.एस.एल. वीडियो से जुड़े क्यू.आर. कोड होते हैं। जब इस्तेमाल में आसान, मजबूत और रिचार्ज-योग्य उपकरण के साथ इनका उपयोग किया जाता है, तो ये किताबें ज्ञान तक पहुंचने का एक बहु संवेदी जरिया बन जाती हैं। हर आधुनिक भौतिक- सह- डिजिटल टूल को सही दिशा देने के लिए मानवीय मदद की जरूरत होती है। आज, दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए इस परंपरा को और मजबूत किया जा रहा है। यह आधुनिक आचार्य के लिए एक डिजिटल साथी की तरह है। दिव्यांगता से जुड़े मुद्दों पर हर महीने होने वाले 5 दिन के मुफ्त उन्मुखीकरण कार्यक्रम के जरिए, शिक्षकों को ऐसी नई और समावेशी रणनीतियां सिखाई जा रही हैं, जिनसे वे अपनी कक्षा को भविष्य के लिए तैयार कर सकें। शिक्षक इस नवाचार की कहानी के वास्तविक हृदयस्थल हैं। वे ही कागज पर बनी नीति को बच्चों के लिए संभावनाओं में बदलते हैं। वे ही 'विकसित भारत' के निर्माता हैं। जब भी कोई शिक्षक किसी संघर्ष कर रहे छात्र तक पहुंचने का नया तरीका ढूंढते हैं, तो वह काम न सिर्फ उस छात्र के भविष्य को बेहतर बनाता है, बल्कि देश की बौद्धिक शक्ति और नैतिक चरित्र को भी मजबूत करता है।

'शब्द जब मन से निकलते हैं, तो केवल लिखे नहीं जाते छलक जाते हैं....'

कविता क्या है? शब्दों का सुन्दर विन्यास, भावनाओं की अभिव्यक्ति, जीवन के अनुभवों का दस्तावेज या फिर भीतर बहुत दिनों से संचित किसी अनकहे भाव का अचानक शब्दों में बदल जाना ? 'डॉ.जितेन्द्र प्रसाद माथुर' की काव्य-पुस्तक 'मेरे शब्द छलक जाते हैं' का शीर्षक स्वयं इस प्रश्न का एक आत्मीय उत्तर देता दिखाई देता है। यहाँ शब्द लिखे नहीं जाते, वे छलकते हैंकृअर्थात् भीतर का भाव जब अपनी तीव्रता की सीमा पर पहुँचता है तो उसे अभिव्यक्ति का रास्ता मिल जाता है।

इस पुस्तक की कल्पना केवल कविताओं के संग्रह के रूप में करना इसके मूल स्वभाव को सीमित कर देना होगा। यह शीर्षक संकेत करता है कि कवि के लिए कविता कोई यांत्रिक सृजन-प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतर्मन की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जीवन के सुख-दुःख, प्रेम-विरह, स्मृतियाँ, संबंध, प्रकृति, सामाजिक सरोकार और मनुष्य की आंतरिक विडंबनाएँकृये सब जब कवि के भीतर से गुजरते हैं तो शब्द बनकर बाहर आते हैं।

पुस्तक का सबसे आकर्षक पक्ष उसका शीर्षक है। 'मेरे शब्द' में आत्मीयता है और 'छलक जाते हैं' में अनायास अभिव्यक्ति। दोनों मिलकर कवि के रचनात्मक व्यक्तित्व की एक ऐसी तस्वीर बनाते हैं जिसमें संवेदना, शब्दों से पहले आती है।

अच्छी कविता वही है जिसमें कवि अपने पाठक को केवल कुछ बताता नहीं, बल्कि उसे अपने अनुभव में सहभागी बना लेता है। जब कोई पंक्ति पढ़ते हुए पाठक को लगता है कि "यह तो मेरे मन की बात है", तब कविता निजी अनुभव से निकलकर सामूहिक संवेदना बन जाती है। इस दृष्टि से 'मेरे शब्द छलक जाते हैं' जैसा शीर्षक पाठक और कवि के बीच एक आत्मीय सेतु निर्मित करता है।

डॉ. माथुर की रचनात्मक यात्रा को देखते हुए यह संग्रह जीवनानुभवों की परिपक्व जमीन पर खड़ा दिखाई देता है। उम्र के साथ मनुष्य के पास घटनाओं से अधिक अनुभवों की स्मृतियाँ जमा होती हैं। युवा मन प्रेम को जिस तरह देखता है, अनुभवी मन उसी प्रेम में प्रतीक्षा, त्याग, दूरी और स्मृति की परतें भी पढ़ने लगता है।

-यही कारण है कि परिपक्व कविता केवल भावुक नहीं होती; उसमें भाव के साथ बोध भी होता है। वह केवल आँखों को नम नहीं करती, पाठक को भीतर तक सोचने के लिए भी विवश करती है।

इस संग्रह को केवल प्रेम-कविताओं के संदर्भ में पढ़ना उचित नहीं होगा। प्रेम यहाँ यदि है भी, तो वह केवल प्रणय का पर्याय नहीं, बल्कि मनुष्य के प्रति मनुष्य की संवेदना का व्यापक रूप हो सकता है। जीवन में जो कुछ हमें छूता हैकृमाँ, पिता, परिवार, मित्रता, बिछोह, प्रकृति, समाज, समय और बदलते रिश्तेकृसब कविता का विषय बन सकते हैं।

आज के समय में जब शब्दों की संख्या बहुत बढ़ गई है लेकिन शब्दों की संवेदना

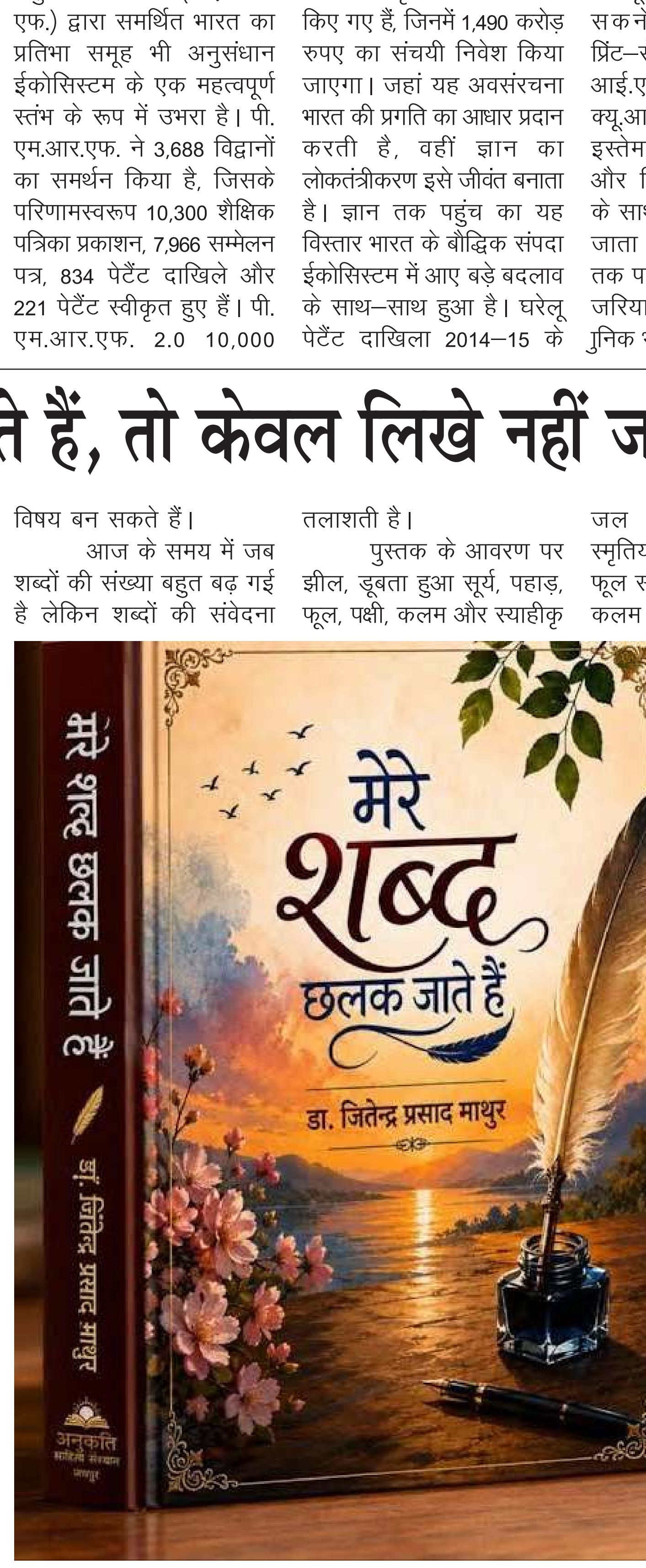

कम होती जा रही है, ऐसी कविता का महत्व और बढ़ जाता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन गहरी अनुभूति को शब्द देना आज भी कठिन है। कविता उस कठिनाई को स्वीकार करती है और भीतर उतरकर भाषा तलाशती है।

पुस्तक के आवरण पर झील, डूबता हुआ सूर्य, पहाड़, फूल, पक्षी, कलम और स्याहीकृये सभी प्रतीक अत्यंत अर्थपूर्ण हैं। यह आवरण मानो पुस्तक की काव्य-चेतना का दृश्य रूपक बन जाता है। प्रकृति और सृजन यहाँ एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं।

सूर्यास्त जहाँ समय के गुजरने का संकेत देता है, वहीं जल में प्रतिबिंबित प्रकाश स्मृतियों की तरह लगता है। फूल संवेदना के प्रतीक हैं और कलम उस संवेदना को शब्द देने का माध्यम। इस प्रकार आवरण स्वयं कहता हुआ प्रतीत होता है कि कविता बाहर के दृश्य से शुरू होकर भीतर के दृश्य तक जाती है।

डॉ. माथुर की काव्य-यात्रा की एक विशेषता यह रही है कि वे भाव को अलंकारों के बोझ तले दबाने के बजाय उसे सहज भाषा में व्यक्त करने की ओर उन्मुख दिखाई देते हैं। यह गुण कविता को पाठकीय बनाता है। साहित्यिक भाषा का अर्थ कठिन भाषा नहीं है; बल्कि वह भाषा है जो सरल होकर भी अर्थ की अनेक परतें खोल सके।

आज कविता के सामने दो बड़ी चुनौतियाँ हैंकृएक ओर अत्यधिक बौद्धिकता उसे सामान्य पाठक से दूर करती है और दूसरी ओर अत्यधिक सरलीकरण उसकी काव्यात्मकता को कम कर देता है। एक सार्थक कवि को इन दोनों के बीच अपना रास्ता बनाना पड़ता है।

अंततः...

'ष्मेरे शब्द छलक जाते हैं'' का मूल आकर्षण उसके शब्दों में कम और उन शब्दों के पीछे मौजूद अनुभूति में अधिक खोजा जाना चाहिए। यह पुस्तक उस कवि की संवेदनात्मक यात्रा का दस्तावेज बन सकती है, जो जीवन को केवल देखता नहीं, उसे भीतर उतरने देता है और फिर उसी भीतर से कविता को जन्म देता है।

-कविता अंततः वही है जो पाठक के भीतर कोई दरवाजा खोल दे। कोई भूली हुई स्मृति लौटा दे, किसी पुराने दर्द को आवाज दे, किसी रिश्ते का अर्थ समझा दे या जीवन को देखने का नया कोण दे।

शायद इसी अर्थ में इस पुस्तक का शीर्षक सबसे अधिक सार्थक हो उठता हैकृ

शब्द तब कविता नहीं बनते जब हम उन्हें लिखते हैं;
शब्द तब कविता बनते हैं,
जब उन्हें रोक पाना संभव नहीं रहताकृ
और वे मन से कागज़ पर
धीरे-धीरे छलक जाते हैं।

'मेरे शब्द छलक जाते हैं' इसलिए केवल एक काव्य-संग्रह का नाम नहीं, बल्कि एक कवि की रचनात्मक मनःस्थिति की घोषणा हैकृजहाँ अनुभूति पहले जन्म लेती है और शब्द उसके पीछे-पीछे चले आते हैं।।

प्रोफेसर अनुरंजनी शर्मा
(हिन्दी विभाग)
(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय)

एन.ई.पी. 2020 और विकसित भारत तक की यात्रा में शिक्षकों की भूमिका

प्रह्लाद जोशी

भारतीय परंपरा में, शिक्षा को हमेशा एक ऐसी यात्रा के रूप में देखा गया है, जो एक व्यक्ति को आकार देती है और समाज को समृद्ध बनाती है। ज्ञान व्यक्ति को दुनिया को समझने में मदद करता है, जबकि शिक्षक का मार्गदर्शन सीखने की प्रक्रिया को उद्देश्य, दिशा और अर्थ देता है। प्राचीन भारत के गुरुकुलों से लेकर आज के क्लासरूमों तक, शिक्षक और शिक्षार्थियों के बीच का रिश्ता इस यात्रा के केंद्र में रहा है। हमारी प्राचीन परंपरा में, शिक्षक को एक ऐसे मार्गदर्शक के रूप में सम्मान दिया जाता था, जो शिक्षार्थी को ज्ञान और बेहतर समझ की ओर ले जाता था। 'गुरु देवो भवरू' की भावना शिक्षक के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती है, जिनकी भूमिका अनुशासन, चरित्र, मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना को विकसित करने तक विस्तृत है। शिक्षा को व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया के रूप में देखा जाता था। भारत की शिक्षा प्रणाली में गुरु-शिष्य परंपरा आज भी जीवित है। शिक्षक का योगदान केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होता, बल्कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं, उनके गुणों को पहचानते हैं, उन्हें अपनी रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और उनमें आत्मविश्वास जगाने में मदद करते हैं। उनका मार्गदर्शन किसी व्यक्ति के जीवन पर स्थायी प्रभाव डाल सकता है और उन्हें एक सफल और जिम्मेदार इंसान बनने में मदद कर सकता है। भारत की शिक्षा की लंबी परंपरा में यह समृद्ध शैक्षिक विरासत दिखाई देती है। तक्षशिला, विक्रमशिला और नालंदा जैसे हमारे प्राचीन शिक्षा केंद्रों ने भारत और विदेशों से विद्यार्थियोंऔर विद्वानों को आकघ्षत किया है। ये केंद्र गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, साहित्य, भाषाओं और जीव विज्ञान जैसे विषयों पर विद्वत्ता, चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान के केंद्र बन गए। इस परंपरा के मूल में इस बात की गहरी समझ थी, कि मानव जीवन के लिए ज्ञान का क्या अर्थ है। संस्कृत का वाक्यांश 'ज्ञानं मनुजस्य तृतीयं नेत्रम्' ज्ञान को मनुष्य की तीसरी आंख के रूप में प्रस्तुत करता है। ज्ञान हमें तत्कालिकता से परे देखने, गहराई से समझने और सोच-समझकर फैसले लेने के योग्य बनाता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वह शिक्षार्थी को जानकारी से समझ की ओर और समझ से विवेक की ओर ले जाता है। ये विचार ऐसे में और भी अहम हो जाते हैं, जब भारत 21वीं सदी के अवसरों के लिए अपनी शिक्षा व्यवस्था को तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, एक विकसित और ज्ञान-आधारित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा में शिक्षा को केंद्र में रखा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस दिशा में एक अहम कदम है। यह नीति शिक्षार्थी को शिक्षा के केंद्र में रखती है और उसके सर्वांगीण विकास, वैचारिक समझ, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, अनुभव आधारित शिक्षा और कौशल को महत्व देती है। साथ ही, यह भारतीय भाषाओं पर फिर से ध्यान केंद्रित करती है और विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस, कोडिंग, रोबोटिक्स और अन्य नई तकनीकों जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए भी तैयार करती है। जानकारी प्राप्त करने और सीखने के लिए तकनीक बड़े पैमाने पर नए रास्ते खोल रही है। शिक्षक सीखने की इस प्रक्रिया को संदर्भ, दिशा और मानवीय जुड़ाव देते हैं। आधुनिक तकनीक से लैस क्लासरूम वास्तव में तब सार्थक होता है, जब शिक्षक विद्यार्थियों को सवाल पूछने, नई चीजें खोजने, समझने और जो सीखा है उसे लागू करने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षक नए-नए तरीके अपना रहे हैं, तकनीक को शामिल कर रहे हैं और विद्यार्थियों को उनकी रुचियों और क्षमताओं को खोजने में मदद कर रहे हैं, साथ ही वे शैक्षिक सुधार के दृष्टिकोण को दैनिक क्लासरूम के अनुभवों में बदल रहे हैं। ज्ञान का बदलता स्वरूप भी शिक्षक की भूमिका को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। आज विद्यार्थियों के पास जानकारी के बहुत सारे स्रोत उपलब्ध हैं। शिक्षक उन्हें विचारों को ध्यान से परखने, जानकारी और समझ के बीच फर्क करने, सार्थक सवाल पूछने और ज्ञान का जिम्मेदारी से उपयोग करने में मदद करते हैं। गुरुकुल से डिजिटल क्लासरूम तक की यात्रा, भारत की उस शानदार क्षमता को दिखाती है, जिसके जरिए वह नई संभावनाओं को अपनाते हुए अपनी सभ्यतागत समझ को आगे लेकर जा रहा है। शिक्षा के साधन भले ही बदल जाएं, लेकिन ज्ञान की खोज और शिक्षक की मार्गदर्शक भूमिका हमारी शैक्षिक यात्रा में हमेशा से अहम बनी हुई है। आइए उस भारतीय परंपरा का जश्न मनाएं, जो ज्ञान को मानव जीवन के सबसे ऊंचे लक्ष्यों में से एक मानती है और उसे देने वालों का गहरा सम्मान करती है। इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएं और एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनाएं, जो हर शिक्षार्थी को अपनी क्षमताओं को खोजने, समाज में योगदान देने और विकसित एवं ज्ञान-समृद्ध भविष्य की ओर भारत की यात्रा में आत्मविश्वास के साथ भाग लेने के लिए सक्षम बनाए।

लघुकथा

बदलता दौर

"मम्मी! जब आप हमारी उम्र में थीं, तो क्या आप लोग भी जिम जाती थीं?" आयुशी ने बहुत उत्सुकता के साथ पूछा।

"नहीं बेटा," सीमा ने जवाब दिया।

"क्यों माँ?" आयुशी ने आश्चर्य से पूछा।

"उस वक्त फोन तो था, लेकिन मोबाइल नहीं था... इसलिए!" सीमा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

"मतलब"? आयुशी ने पूछा।

"मतलब यह है कि आजकल तुमलोगों की उँगलियाँ चलती हैं, उस वक्त हर काम के लिए हम लोगों के पाँव चलते थे। हा हा हा" सीमा ने हंसते हुए कहा।

आयुशी ने अपना मोबाइल उठाया और चुपचाप जिम के लिए घर से निकल गई।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

शोहरत मिली, लेकिन निजी जिंदगी में झेला दर्द, बेटों की परवरिश के लिए जीनत अमान ने नहीं मानी हार

> बच्चों की खातिर करीब १२ साल इस रिश्ते में बंधी रही। जब मजहर खान गंभीर रूप से बीमार हुए, तब जीनत ने उनकी पूरी सेवा की और उनका इलाज करवाया। मजहर को प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्स की बुरी लत थी, जिससे उनकी दोनों किडनी खराब हो गईं।

70–80 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस जीनत अमान बेटों का पेट पालने के लिए छोटे कस्बों में छोटे–मोटे काम करती थीं क्लासेज देती थी। जीनत का जन्म 19 नवंबर 1951 को मुंबई में हुआ। पिता अमानुल्लाह खान एक मुस्लिम और माँ सिंधा हेंज एक महाराष्ट्रीयन हिंदू थीं। जीनत 13 साल की थी, जब पिता का निधन हो गया। इसके बाद जीनत लासएंजलिस में अकेले स्टडी के लिए चली गई। 1970 में मिस एशिया का खिताब जीतने वाली पहली इंडियन महिला बनीं। 1970 में फिल्म हलचल से करियर शुरू किया, देव आनंद की फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा ने रातों–रात स्टार बना दिया। 1947 में स्वतंत्रता मिलने के बाद जीनत पहली एक्ट्रेस थी जिन्होंने सत्यम शिवम सुंदरम में शशि कपूर के साथ ऑन–स्क्रीन किसिंग सीन दिया था। जीनत को शादीशुदा और बच्चों के पिता संजय खान से प्यार हो गया। 1980 में संजय खान ने एक होटल पार्टी में जीनत के साथ खूब मारपीट की जिसमें उनकी दाईं आंख की मसल्स डैमेज हो गई। करीब 40 साल बाद जीनत ने सक्सेसफुल सर्जरी करवाई। 1985 में अभिनेता मजहर खान से शादी कीं। शादी के एक साल के भीतर ही जीनत को पति की बेवफाई का पता चल गया था। बच्चों की खातिर करीब 12 साल इस रिश्ते में बंधी रही। जब मजहर खान गंभीर रूप से बीमार हुए, तब जीनत ने उनकी पूरी सेवा की और उनका इलाज करवाया। मजहर को प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्स की बुरी लत थी, जिससे उनकी दोनों किडनी खराब हो गई। 1998 में मजहर खान का निधन हो गया। पीछे छोड़ गए अपने 2 बेटे, पति के निधन के बाद जीनत को काम मिलना बंद हो गया। पैसा कमाने के लिए जीनत छोटे शहरों में छोटे–मोटे इवेंट में हिस्सा लेने लगी और अपने बेटों के लिए सलाह कॉलम लिखती रही, जब तक कि... हालात बदलने लगे। आज वह 74 की हैं और इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं, वह हर मुद्दे पर खुलकर बात करती है। प्यार, जिंदगी व महिलाओं की च्वाइस के बारे इतना स्पष्ट बोलती है जितना बहुत कम लोग बोल पाते होंगे। कभी–कभी सबसे मजबूत महिलाएं जन्म से मजबूत नहीं होतीं। इनका निर्माण तब होता है जब वे बार–बार खुद को नए सिरे से ढ़लने का विकल्प चुनती हैं। ऐसी ही कहानी है जीनत अमान की।

बिग बॉस 20 के पहले दिन ही छलका पंजाबी एक्ट्रेस लव गिल का दर्द, बोलीं– मोटी होने पर मिले ताने, पतली हुई तब भी नहीं छोड़ा

विवादित रियलिटी शो "बिग बॉस 20" का यह पहला ही दिन है और ड्रामा शुरू हो चुका है। कंटेस्टेंट लव गिल ने अपने साथी कंटेस्टेंट अमन गांधी को अपनी जिंदगी के बारे में बताया और बॉडी–शेमिंग का सामना करने के अपने अनुभव को साझा किया। अमन के साथ अपना अनुभव साझा करते हुए, उन्होंने बताया कि बड़े होने के दौरान अपने शरीर को लेकर की जाने वाली टिप्पणियों का सामना करना कितना मुश्किल था। अमन ने भी बताया कि बहुत ज़्यादा दुबले होने के कारण उन्हें भी बॉडी–शेमिंग का सामना करना पड़ा था। शो में लव को यह कहते हुए सुना जाएगा "जब मेरा वजन थोड़ा ज़्यादा था, तो लोग मेरे शरीर पर कमेंट करते थे। फिर मैंने वजन कम किया, लेकिन उसके बाद भी लोगों के पास कहने के लिए कुछ न कुछ होता था।" "वे मुझसे कहते थे कि मैं बहुत दुबली दिखती हूं या पूछते थे कि क्या मैं कुछ खाती भी हूं। ऐसा लगता था कि मैं चाहे कुछ भी करूं, लोग मेरे लुक के बारे में अपनी राय रखते ही थे। लव एक पंजाबी एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जिन्होंने म्यूजिक वीडियो, टेलीविजन और फिल्मों में काम किया है। वह 2019 में पंजाबी सिंगर करण औजला के एक लोकप्रिय म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने टीवी में भी हाथ आजमाया। वह पंजाबी शो श्तू पतंग मैं डोरश में नजर आईं, जिसमें उन्होंने जरीना का किरदार निभाया था। उन्होंने 2021 में कुरियां जवान बापू परेशान के साथ पंजाब में सिनेमा की दुनिया में कदम रखा और फिर हेटर्स, कुलचे छोले, गदर 1947 इक्क विछोड़ा और वेखी जा छेड़ी ना जैसी फिल्मों में नजर आईं। बिग बॉस की बात करें तो यह भारत में बिग बॉस फ्रैंचाइजी का एक भारतीय हिंदी–भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है। यह बिग ब्रदर के डच फॉर्मेट पर आधारित है। 20वां संस्करण 6 सितंबर को शुरू हुआ। इसमें 16 सेलिब्रिटी प्रतियोगियों की एक विविध लाइनअप है, जिसमें एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रीति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ घ्स्काउटओपी, रोहेद खान, युंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं। यह शो श्रपवभ्वजेजंत और ब्वसवते ज्ट पर प्रसारित होता है।

अनिल कपूर ने बताया क्यों दिल के करीब है शिवाजी राव का किरदार? शेयर किया भावुक पोस्ट

अभिनेता अनिल कपूर की हिट फिल्म 'नायक' को आज 25 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर फिल्म में अनिल कपूर ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। एक्टर अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर 2001 में रिलीज हुआ अपनी फिल्म को लेकर पोस्ट किया उन्होंने लिखा, 'शिवाजी राव का किरदार चुनने के पीछे सिर्फ एक आम आदमी के मुख्यमंत्री बनने की कहानी वजह नहीं थी। मुझे इस किरदार की सबसे ज्यादा यह बात आकर्षित करती थी कि मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवाजी ने अपनी ताकत का इस्तेमाल किस तरह किया। ऐसे मकसद वाले किरदार को पर्दे पर निभाना मेरे लिए सम्मान की बात थी और शायद यही वजह है कि 25 साल बाद भी नायक लोगों के बीच अपनी जगह बनाए हुए है। आगे अपनी पोस्ट में अनिल कपूर ने लिखा, 'अपने देश से प्यार और लोगों के लिए कुछ बेहतर करने की इच्छा कभी पुरानी नहीं हो सकती। मुझे हमेशा गर्व रहेगा कि मैं ऐसी कहानी का हिस्सा रहा हूं, जो लोगों को व्यवस्था बदलने और बेहतर समाज की उम्मीद देती है।' फिल्म नायक द रियल हीरो में फिल्म में अनिल कपूर ने टीवी रिपोर्टर शिवाजी राव का किरदार निभाया था। जो कि एक मीडिया कर्मी है। उसे एक इंटरव्यू के दौरान शिवाजी राव राज्य के मुख्यमंत्री बलराज चौहान से भ्रष्टाचार को लेकर सवाल करता है। उसकी इस बात पर बलराज को गुस्सा आ जाता है। वह शिवाजी को चुनौती देते हैं कि वह एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनकर दिखाये। वह इस पर राजी हो जाता है। इसके बाद एक आम आदमी के प्रशासन चलाने का दौर शुरू होता है। अपने सफर में शिवाजी अपनी जिम्मेदारी के प्रति काफी ईमानदार दिखाया गया है। फिल्म 'नायक' 7 सितंबर 2001 को रिलीज हुई थी। फिल्म में रानी मुखर्जी, दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी, परेश रावल, जॉनी लीवर और सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। नायक तमिल फिल्म मुधलवन का हिंदी रीमेक थी, जिसे भी एस. शंकर ने ही बनाया था।

ओटीटी से सिनेमाघरों तक 'मिर्जापुर' का सफर, 8 साल बाद भी फैंस के बीच कायम है क्रेज

प्राइम वीडियो पर 'मिर्जापुर' को रिलीज हुए 8 साल हो चुके हैं और इतने लंबे वक्त के बाद भी इस फ्रेंचाइजी का क्रेज दर्शकों के बीच कम होने के बजाय लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। ओटीटी के क्षेत्र में जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद अब 'मिर्जापुररू द मूवी' के सिनेमाघरों तक पहुंचने के साथ इस फ्रेंचाइजी ने एक नया पड़ाव पार कर लिया है। फिल्म को दर्शकों से मिल रही शानदार प्रतिक्रिया निर्माताओं के लिए सिर्फ एक सफलता नहीं, बल्कि एक ऐसे सफर के पूरा होने जैसा है, जिसकी शुरुआत करीब एक दशक पहले हुई थी। तेजी से बदलती स्ट्रीमिंग की दुनिया में 8 साल का वक्त किसी अनंत समय से कम नहीं है। हर साल कई नई वेब सीरीज और फ्रेंचाइजियां आती हैं और दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं, लेकिन 'मिर्जापुर' ने इन बदलावों के बीच अपनी खास जगह बनाए रखी। यही वजह है कि वक्त गुजरने के साथ पॉप कल्चर पर इस शो की पकड़ कमजोर होने के बजाय और मजबूत होती गई। 'मिर्जापुर' की लोकप्रियता सिर्फ इसके सीजन देखने तक सीमित नहीं रही। शो के कई डायलॉग दर्शकों की रोजमर्रा की बोलचाल का हिस्सा बन गए। कालीन भैया का मशहूर डायलॉग, "इज्जत नहीं करते हैं, डरते हैं सब," हो या गुड्डू पंडित का "शुरू मजबूरी में किए थे, अब मजा आ रहा है," ये लाइनें सिर्फ स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं रहीं, बल्कि इंटरनेट कल्चर का अहम हिस्सा बन गईं। इंस्टाग्राम फीड से लेकर व्हाट्सऐप चौट्स तक आज भी 'मिर्जापुर' के किरदारों और उनके डायलॉग्स से जुड़े अनगिनत मीम्स देखने को मिलते हैं। मुन्ना भैया की आइकॉनिक स्माइल से लेकर कालीन भैया के अलग–अलग कैंडिड रिएक्शंस तक, शो के किरदारों ने सोशल मीडिया पर अपनी अलग पहचान बना ली है। पिछले कुछ वर्षों में 'मिर्जापुर' के साथ फैंस की एंगेजमेंट सिर्फ शो देखने तक सीमित नहीं रही। कई दर्शक इसके सीजन दोबारा सिर्फ इसलिए देखते हैं, ताकि कहानी में छिपे छोटे–छोटे डिटेल्स और फोरशैडोइंग को पकड़ सकें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, ऑनलाइन फोरम्स और यूट्यूब पर शो को लेकर लगातार चर्चाएं देखने को मिली हैं। फैंस ने अपनी–अपनी थ्योरीज के जरिए यह अनुमान लगाने की कोशिश की कि आगे कौन बचेगा, कौन सत्ता की गद्दी पर बैठेगा और कौन किसे धोखा देगा। कहानी के हर बड़े मोड़ ने दर्शकों को अपनी थ्योरी बनाने का मौका दिया। यही लगातार बनी चर्चा इस बात का संकेत है कि 'मिर्जापुर' दर्शकों के लिए सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक ऐसी दुनिया बन चुका है, जिसमें वे लंबे समय से दिलचस्पी लेते आ रहे हैं।'मिर्जापुर' की सबसे बड़ी ताकतों में इसके यादगार किरदार भी शामिल रहे हैं। बाबलू, गोलू और मुन्ना जैसे किरदारों ने अलग–अलग तरह से दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई। इन किरदारों को लेकर फैंस की पसंद और नापसंद सोशल मीडिया पर अक्सर देखने को मिलती रही है। यही किरदारों के साथ दर्शकों का गहरा जुड़ाव फ्रेंचाइजी की लंबी उम्र की एक बड़ी वजह माना जा सकता है। दर्शक सिर्फ कहानी जानने के लिए आगे नहीं बढ़ते, बल्कि यह जानना भी चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों की जिंदगी आगे किस दिशा में जाएगी।हालिया रिलीज के साथ 'मिर्जापुर द मूवी' को निर्माताओं ने महज एक कमर्शियल अवसर के तौर पर पेश नहीं किया है। यह उन फैंस के लिए भी एक खास सिनेमाई अनुभव है, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी का साथ उसके शुरुआती दिनों से दिया है। जिन किरदारों को दर्शकों ने अब तक ओटीटी स्क्रीन पर देखा था, उन्हें बड़े पर्दे पर देखना अपने आप में एक अलग अनुभव है। ऐसे में फिल्म की रिलीज ने 'मिर्जापुर' के फैंस के लिए किसी जश्न का रूप ले लिया है। बड़े पर्दे पर इस दुनिया और इसके चर्चित किरदारों को देखना उन दर्शकों के लिए खास है, जो पिछले 8 साल से इस फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं।

आंसू असली या नकली ? बादशाह से तलाक के बाद ईशा रिखी पहुंची बिग बॉस, सलमान खान ने दी आगे बढ़ने की सलाह

सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलटी शो बिग बॉस 20 का ग्रैंड प्रीमियर 6 सितंबर को हुआ। इस सीजन में 16 सेलिब्रिटीज ने घर में कदम रखा, जिनमें रैपर बादशाह की पूर्व पत्नी ईशा रिखी भी शामिल हैं। हाल ही में तलाक की खबरों को लेकर चर्चा में आई ईशा बिग बॉस के मंच पर अपनी बात रखते हुए अचानक भावुक हो गई और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। इस दौरान सलमान खान ने उनके आंसुओं को लेकर सवाल किया और उनसे बातचीत की। जैसे ही ईशा रिखी ने बिग बॉस 20 के मंच पर कदम रखा और सलमान खान से मुलाकात की, वह बहुत भावुक हो गईं। उनकी आंखों में आंसू देखकर सलमान ने उनसे पूछा कि ये आंसू सच में आए हैं या सिर्फ दिखावे के लिए हैं। ईशा ने साफ किया की उनके आंसू बिल्कुल वास्तविक थे। इसके बाद सलमान ने उन्हें हिम्मत देते हुए समझाया कि ब्रेकअप जिंदगी का हिस्सा है और उन्हें अतीत को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। सलमान खान ने ईशा रिखी से उनकी शादी और निजी जिंदगी को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने जानना चाहा कि क्या ईशा शो के दौरान बादशाह के साथ अपनी शादी या तलाक के बारे में चर्चा करेंगी।

रोजाना एक्सरसाइज करना हुआ आसान, फेवरेट शो देखते हुए भी आप कर सकेंगे वेट लॉस

अधिकतर लोगों के साथ ऐसा होता है कि वह जोश–जोश में एक्सरसाइज शुरू तो कर देते हैं, लेकिन रोज नहीं कर पाते हैं। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि एक्सरसाइज करना बोरिंग लगता है। हम सभी लोगों को पता है कि एक्सरसाइज करना हमारे शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होता है। इसके बाद भी लोग एक्सरसाइज को बोरिंग समझकर नहीं करते हैं। लेकिन हम आपको ऐसा तरीका बताएंगे, जिससे एक्सरसाइज करना आपके लिए एक मजेदार अनुभव बन सकता है। अगर आप टीवी या अपनी फेवरेट मूवी देखते हुए एक्सरसाइज करेंगे, तो आपको आनंद भी आएगा और एक्सरसाइज भी हो जाएगा। एक स्टडी के अनुसार, जब लोगों ने एंटरटेनमेंट के साथ एक्सरसाइज की है, तो उनके वर्कआउट का टाइम 40 फीसदी बढ़ गया। ऐसे में अगर आप भी बोरिंग एक्सरसाइज करते–करते थक गए हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि टीवी या मूवी देखते–देखते आप कैसे एक्सरसाइज कर सकते हैं।

टीवी देखते हुए एक्सरसाइज करने के फायदे

अगर आप भी टीवी या मूवी देखते हुए एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे कंसिस्टेंसी बनी रहती है और आप लंबे समय तक एक्सरसाइज रूटीन फॉलो कर पाते हैं।

टीवी और मूवी देखते हुए एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे आपका ध्यान बंटा रहेगा और शरीर ज्यादा थका हुआ महसूस नहीं होगा। इससे आपकी फिटनेस जर्नी आसान बनेगी।

टीवी या मूवी देखते हुए अगर आप एक्सरसाइज करते हैं, तो आपको बोरियत महसूस नहीं होगी। इस तरह से आप लंबे समय तक मजे से एक्सरसाइज कर सकते हैं।

अगर आप टीवी या मूवी देखते हुए एक्सरसाइज करते हैं, तो ज्यादा कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है। क्योंकि ऐसे में आप लंबे समय तक एक्सरसाइज कर पाते हैं और वेट लॉस के गोल को आसानी से पूरा करने में भी सहायता मिलती है।

टीवी देखते हुए कैसे करें एक्सरसाइज

टीवी या मूवी देखते हुए आप रेजिस्टेंस बैंड वर्कआउट करें, इससे आपको हाथ–पैर की स्ट्रेंथ को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आप अपनी एक्सरसाइज रूटीन में लो–इंपैक्ट कार्डियो को शामिल करें। आपको जंपिंग जैक या हाई नी एक्सरसाइज भी करना चाहिए।

हमेशा टाइम सेट करके एक्सरसाइज करना चाहिए। ऐसा इसलिए जिससे कि आप ओवरट्रेनिंग न कर लें। क्योंकि जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करना भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

अगर आप मूवी की टाइमा में एक्सरसाइज कर रहे हैं, तो फिटनेस जर्नी को पीछे न छोड़ें। मूवी में जंक फूड की जगह नट्स औप फल जैसे हेल्दी स्नैक्स को चुनें।

टीवी या मूवी देखते हुए कोर एक्सरसाइज जैसे प्लैंक्स, क्रंचेस या बाइसिक क्रंचेस करना चाहिए।

अगर आप मूवी देखते हुए एक्सरसाइज कर रहे हैं, तो ध्यान रखें कि आप अपनी एक्सराइज पर फोकस करें। वरना आपको चोट भी लग सकती है।

बेडरूम में न रखें ये चीजें, वरना सेहत पर पड़ सकता है बुरा असर

बेडरूम हमारे घर का सबसे अहम हिस्सा होता है, जहां हम दिनभर की थकान मिटाते हैं और सुकून की नींद लेना चाहते हैं। लेकिन कई बार हम अनजाने में ऐसी चीजें बेडरूम में रख लेते हैं, जो हमारी नींद और मानसिक शांति पर बुरा असर डालती हैं। आइए जानते हैं कि बेडरूम में किन चीजों को रखने से बचना चाहिए।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स (मोबाइल, लैपटॉप, टीवी आदि)

मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसी चीजें बेडरूम में बहुत आम हो गई हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनसे निकलने वाली नीली रोशनी (ब्लू लाइट) हमारे दिमाग को एक्टिव रखती है और नींद आने में बाधा डालती है? इससे नींद की गुणवत्ता खराब हो जाती है और सुबह उठने पर थकान महसूस होती है। इसलिए सोने से कम से कम 1 घंटे पहले इन गैजेट्स से दूरी बना लेना बेहतर होता है।

कैमिकल वाले एयर फ्रेशनर

बेडरूम को महकाने के लिए कई लोग कैमिकल युक्त एयर फ्रेशनर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इनमें मौजूद केमिकल्स से सांस की दिक्कतें, एलर्जी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप ताजगी चाहते हैं, तो प्राकृतिक विकल्प जैसे एसेंशियल ऑयल्स या फूलों का इस्तेमाल करें।

गंदे कपड़े और जूते

अक्सर आलस के चलते लोग अपने पहने हुए कपड़े और जूते बेडरूम में ही छोड़ देते हैं। ये न सिर्फ बदबू फैलाते हैं, बल्कि इनमें बैक्टीरिया और कीटाणु पनप सकते हैं जो सेहत के लिए खतरनाक होते हैं। इसलिए गंदे कपड़े लॉन्ड्री बास्केट में डालें और जूते बाहर रखें।

बड़े आकार के आईने

वास्तु शास्त्र के अनुसार बेडरूम में बड़े आईने नहीं रखने चाहिए, खासकर अगर वे बेड के सामने हों। ऐसा माना जाता है कि ये नींद में खलल डालते हैं और मानसिक बेचैनी बढ़ा सकते हैं। अगर आईना जरूरी हो, तो उसे किसी कोने में रखें और रात में कपड़े से ढक दें।

सूखे या मुरझाए फूल

बेडरूम में सूखे या मुरझाए फूल नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। ये मन पर बोझ बढ़ाते हैं और तनाव का कारण बन सकते हैं। इससे नींद की क्वालिटी पर असर पड़ता है। इसलिए बेडरूम को हमेशा ताजे फूलों से सजाएं या बिल्कुल खाली रखें।

किताबों का ढेर

किताबें पढ़ना अच्छी आदत है, लेकिन बेडरूम में बहुत सारी किताबें जमा करना अव्यवस्था और मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। इससे मस्तिष्क को आराम नहीं मिल पाता और नींद भी प्रभावित होती है। कोशिश करें कि आप पढ़ने के बाद किताबें अलमारी में रख दें।

मंदिर या पूजा स्थल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बेडरूम में मंदिर रखना उचित नहीं होता। क्योंकि बेडरूम वह जगह है जहां हम आराम करते हैं और कभी–कभी कुछ ऐसे कार्य भी करते हैं जो आध्यात्मिक रूप से शुद्ध नहीं माने जाते। इसलिए मंदिर को घर के शांत और साफ–सुथरे कोने में बनाना चाहिए, न कि सोने की जगह पर।

अगर आप चाहते हैं कि आपकी नींद अच्छी हो, तनाव कम रहे और सेहत बेहतर बनी रहे, तो ऊपर दी गई चीजों से अपने बेडरूम को मुक्त रखें। एक साफ, शांत और व्यवस्थित बेडरूम मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है।

आम आलू से कही गुणा फायदेमंद है बैंगनी आलू, दिल और शुगर मरीजों के लिए तो वरदान

आलू लगभग आपको हर रसोई में मिलेंगे। हर सब्जी के साथ इसे मिक्स कर दिया जाता है लेकिन अभी तक आपने सफेद आलू ही खाए होंगे लेकिन आपको बता दें कि मार्केट में बैंगनी आलू भी है। नाम सुनकर ही आपको इस रंग के आलू को लेकर उत्सुकता हुई होगी तो बता दें कि रंग के साथ ये काफी सेहतमंद भी माने जाते हैं। बैंगनी आलू सिर्फ देखने में खूबसूरत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसमें आम आलू की तुलना में ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं।

बैंगनी आलू क्या हैं?

बैंगनी आलू सामान्य आलू की तरह ही होते हैं लेकिन इनके छिलके और अंदर का रंग बैंगनी होता है। इसका रंग एंथोसाइनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट से आता है जो एंटी–एजिंग और एंटी–ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ये स्वाद में हल्के मीठे और सामान्य आलू से थोड़ा नर्म होते हैं। चलिए इस आलू में पाए जाने वाले गुण बताते हैं।

1. एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

बैंगनी आलू में एंथोसाइनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो शरीर में फ्री–रेडिकल्स को कम करता है और उम्र बढ़ने के प्रभाव को धीमा करता है।

2. दिल की सेहत के लिए अच्छा

इसमें पोटैशियम और फाइबर होने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

3. वजन नियंत्रित करने में मददगार

बैंगनी आलू में फाइबर अधिक होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और ओवरईटिंग कम होती है।

4. ब्लड शुगर नियंत्रित रखता है

इसके ग्लाइसेमिक इंडेक्स आम आलू की तुलना में कम होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को अचानक बढ़ने से रोकता है।

5. मस्तिष्क और आंखों के लिए फायदेमंद

बैंगनी रंग के पिगमेंट मस्तिष्क और आंखों की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

कैसे बनाकर खाना बेस्ट?

बैंगनी आलू को तलकर खाने की बजाय उबालकर या बेक करके खाना ज्यादा हेल्दी है। ज्यादा तेल और मसाले में पकाने से इसके स्वास्थ्य लाभ कम हो सकते हैं इसलिए इसे उबालकर, बेक करके या हल्का स्टीम करके खाना सबसे हेल्दी है। इन्हें सलाद, सूप, हल्की सब्जी या स्मूदी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

बैंगनी आलू कहां मिलते हैं?

सुपरमार्केट्सः बड़े शहरों के हाई–एंड सुपरमार्केट्स में मिलते हैं।

ऑर्गेनिक स्टोरः ऑर्गेनिक और हेल्थ–फूड स्टोर में अक्सर उपलब्ध रहते हैं।

ऑनलाइनः अमेजन, बिगबास्केट, नेचरज बास्केट जैसे ई–कॉमर्स साइट्स पर ऑर्डर कर सकते हैं।

स्थानीय किसान बाजारः कुछ क्षेत्रों में किसान सीधे बेचते हैं।

कौन लोग बैंगनी आलू खा सकते हैं?

दिल की समस्या वालेः पोटैशियम और फाइबर से हृदय स्वस्थ रहता है।

डायबिटीज पेशेंट्सः ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने से ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।

वजन कम करना चाहते हैंः फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है।

एंटी–ऑक्सीडेंट लाभ चाहते हैंः उम्र बढ़ने के प्रभाव और फ्री–रेडिकल्स से लड़ता है।

आंख और दिमाग के लिए हेल्दीः एंथोसाइनिन मस्तिष्क और आंखों के लिए फायदेमंद।

कौन लोग बैंगनी आलू ना खाएं

किडनी रोग वालेः इसमें पोटैशियम अधिक होता है, जिससे किडनी पर असर पड़ सकता है।

एसिडिटी या गैस की समस्या वालेः ज्यादा खाने पर पेट में गैस या भारीपन हो सकता है।

अत्यधिक वजन वाले लोगः यदि तेल में तला हुआ आलू खाएं तो कैलोरी बढ़ जाती है।

कैंसर के खतरे को कम करते हैं ये 3 हेल्दी ड्रिंक्स, एक्सपर्ट से जनिए इसके जादुई फायदे

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही लोग डर जाते हैं। कैंसर का इलाज भी काफी लंबा चलता है और पैसे भी सबसे ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में हर कोई इस बीमारी से बचना ही चाहता है। कैंसर का इलाज समय पर नहीं करवाया तो यह जान भी ले लेता है।

अगर आप भी कैंसर के रिस्क से दूर होना है, तो आप हेल्दी ड्रिंक्स का सेवन जरुर कर सकते हैं। खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण भी कैंसर का खतरा बना रहता है। ऐसे में आपको स्वस्थ रहने और इससे बचने के लिए हेल्दी ड्रिंक्स का सेवन कर सकते हैं। एक्सपर्ट की मुताबिक अपने डाइट में रोजाना इन 3 हेल्दी ड्रिंक्स का सेवन करने से कैंसर के खतरे से बचा जा सकता है। आइए आपको बताते हैं इन 3 हेल्दी ड्रिंक्स के बारे में–

ग्रीन टी

एक्सपर्ट के मुताबिक, ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होता है। इसके सेवन से ही लोग सेहतमंद बने रहते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स एंटीऑक्सीडेंट्स का मात्रा अधिक होता है। ये एंटीऑक्सीडेंट शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करता है। वहीं, फ्री रेडिकल्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जो आगे चलकर कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है। ऐसे में जो लोग ग्रीन टी का सेवन करते हैं, तो उनको कैंसर का खतरा कम होता है। ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन्स न केवल कैंसर सेल्स को कम करता है और ये हार्ट के रोग, हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों को कम करने में मदद करता है। आप रोजाना 2 से 3 कप ग्रीन टी पी सकते हैं।

ग्रीन स्मूदी

हेल्दी रहने के लिए ग्रीन स्मूदी का सबसे परफेक्ट होता है। एक्सपर्ट को मुताबिक, ग्रीन स्मूदी का सेवन करने से शरीर को न्यूट्रिशन प्राप्त होता है और इसके साथ ही शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है। ग्रीन स्मूदी के सेवन से कैंसर के रिस्क को कम किया जा सकता है। ग्रीन स्मूदी बनाने के लिए आपको इन चीजों की जरुरत हो सकती है, जैसे कि– पालक, केल, खीरा, अजमोद, जरुरतनुसार अदरक। इन सब चीजों को मिक्स करके ग्रीन स्मूदी बनाई जा सकती है। ग्रीन स्मूदी के सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। इसके सेवन से शरीर की कोशिकाएं सेहतमंद रहती हैं और कैंसर का खतरा कम हो जाता है। इसे आप सुबह नाश्ते के साथ पी सकते हैं।

हल्दी वाला दूध

हल्दी स्किन और सेहत के लिए काफी गुणकारी होती है। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। इसके साथ ही इसमें नेचुरल एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–कैंसर एजेंट होते हैं। हल्दी में पाए जाने वाला करक्यूमिन शरीर की सूजन को कम करता है और सेल्स की मरम्मत करता है। हल्दी में इम्युनिटी बढ़ाने के साथ–साथ सूजन को कम करने में मदद करता है। रात के समय रोजाना हल्दी वाला दूध पीने शरीर काफी स्वस्थ रहता है। हल्दी का इस्तेमाल करने से कैंसर से बचाव तो होता ही है साथ में जुकाम, खांसी और शरीर के दर्द में राहत मिलती है।

संक्षिप्त

पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर क्यों चला आईसीसी का चाबुक?

दुबई,एजेंसी। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को भारत के खिलाफ महिला एशिया कप मुकाबले में शेफाली वर्मा को आउट करने के बाद किया गया इशारा भारी पड़ गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने फातिमा पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जुड़ गया है। फातिमा को आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद किसी बल्लेबाज के आउट होने के बाद ऐसे शब्दों, हरकतों या इशारों से संबंधित है, जो उसे अपमानित करें या आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हैं। यह घटना भारत की पारी के दौरान हुई। शफाली वर्मा ने भारतीय पारी की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की थी, लेकिन फातिमा सना की गेंद पर उन्होंने वापस गेंदबाज की ओर आसान कैच दे दिया। यह फातिमा का छठी गेंद पर पहला विकेट था। कैच पूरा करने के बाद फातिमा ने शफाली की ओर से पवेलियन की तरफ इशारा किया। इसी व्यवहार को लेकर आईसीसी ने कार्रवाई की। फातिमा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और मैच रेफरी सुप्रिया दास द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया। इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। यह पिछले 24 महीनों में फातिमा का दूसरा अपराध है। इससे पहले उन्हें 6 अगस्त 2025 को डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान एक डिमेरिट अंक मिला था। इस नए डिमेरिट अंक के साथ फातिमा के कुल डिमेरिट अंक दो हो गए हैं। आईसीसी की लेवल–1 की ऐसी गलतियों के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है, जबकि अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं। भारत के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तान को हालांकि बड़ी हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पाकिस्तान को सिर्फ 55 रन पर ऑलआउट कर दिया था। फातिमा ने गेंद से पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन किया और तीन विकेट हासिल किए। उनका पहला विकेट शफाली वर्मा का था, जिन्होंने भारत के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में तेजी से रन बनाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान के पास अब इस हार से उबरने के लिए ज्यादा समय नहीं है। टीम को महिला एशिया कप में अपना अगला मुकाबला सोमवार को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ खेलना है। इस मैच में जीत पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचा देगी।

क्रांति पर की घटिया टिप्पणी, वीडियो वायरल होते ही मचा बवाल

दुबई,एजेंसी। भारत–पाकिस्तान का मुकाबला हो और मैदान पर रोमांच न हो, ऐसा भला कैसे हो सकता है, लेकिन इस बार मुकाबले का एक वीडियो क्रिकेट के रोमांच से ज्यादा कुछ पाकिस्तानी दर्शकों की घटिया सोच और शर्मनाक हरकत के कारण चर्चा में है। भारत और पाकिस्तान के बीच महिला एशिया कप टी20 मुकाबले के दौरान कुछ पाकिस्तानी दर्शकों की आपत्तिजनक टिप्पणियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में भारतीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ को लेकर उनकी लैंगिक पहचान और दिखने को लेकर बेहद आपत्तिजनक बातें सुनाई दे रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। फैंस का कहना है कि खेल के मैदान में अपनी टीम का हौसला बढ़ाने के नाम पर किसी खिलाड़ी को इस तरह निशाना बनाना जुनून नहीं, बल्कि खेल भावना की सारी हदें पार करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सामने आए वीडियो में एक पाकिस्तानी शख्स बार–बार गौड़ को पुरुष बताने जैसी टिप्पणियां करता सुनाई पड़ता है। हालांकि, वीडियो में आवाजें निकाल रहे दर्शकों की पहचान और घटना की पूरी परिस्थितियों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने इस तरह की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। लोगों का कहना है कि भारत–पाकिस्तान मुकाबले की प्रतिद्वंद्विता अपनी जगह है, लेकिन किसी खिलाड़ी के रूप–रंग या व्यक्तिगत पहचान को निशाना बनाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। खासकर महिला खिलाड़ियों को लेकर इस तरह की टिप्पणियां खेल के मैदान और सोशल मीडिया, दोनों जगह लंबे समय से चिंता का विषय रही हैं। क्रांति गौड़ से जुड़ा यह वीडियो एक बार फिर खिलाड़ियों के प्रति सम्मान और खेल भावना को लेकर बहस के केंद्र में आ गया है। वहीं मुकाबले की बात करें तो भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ पूरी तरह एकतरफा प्रदर्शन किया। भारत ने पाकिस्तान को महज 55 रन पर ऑलआउट कर दिया, जो महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान का अब तक का सबसे कम स्कोर है। भारत की युवा स्पिनरों श्री चरणी और प्रेमा रावत ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों ने तीन–तीन विकेट हासिल किए। चरणी ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि प्रेमा ने नौ रन देकर तीन विकेट झटके। दीप्ति शर्मा ने भी पांच रन देकर दो विकेट का शानदार स्पेल किया। पाकिस्तान ने 27 रन तक बिना विकेट गंवाए अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद भारतीय स्पिनरों ने ऐसा शिकंजा कसा कि पूरी टीम बुरी तरह लड़खड़ा गई। पाकिस्तान ने सिर्फ नौ रन जोड़कर अपने छह विकेट गंवा दिए और 27ध0 से 36ध6 पर पहुंच गया। भारत ने इसके बाद 8.4 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 56 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।

दलीप ट्रॉफी: ईशान किशन ने 39 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड तोड़ा? फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज

चेन्नई,एजेंसी। कमबैक के बाद ईशान किशन का बल्ला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की कप्तानी करते हुए उन्होंने दोहरा शतक लगाकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा दिया। 250 रन की तूफानी पारी के साथ ईशान अब दलीप ट्रॉफी फाइनल में यह कारनामा करने वाले चुनिंदा बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। रविवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक शतक लगाकर नाबाद लौटे ईशान ने दूसरे दिन भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। ईशान ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 250 रन बनाए, हालांकि इसके बाद वह थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। ईशान ने रिटायर्ड हर्ट होने तक 301 गेंद में 27 चौके और सात छक्के की मदद से 250 रन बनाए। हालांकि, सातवां विकेट गिरने के बाद ईशान फिर से बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए और फिलहाल क्रीज पर मौजूद हैं। इसके साथ ही ईशान किशन ने 39 साल पुराना एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 1987–88 में वेस्ट जोन की कप्तानी करते हुए अंशुमान गायकवाड़ ने फाइनल में 216 रन बनाए थे। अब ईस्ट जोन के कप्तान ईशान ने 250 रन की पारी (रिटायर्ड हर्ट) खेलकर बतौर कप्तान दोहरा शतक के मामले में गायकवाड़ की बराबरी तो की ही, पर बतौर कप्तान दलीप ट्रॉफी के फाइनल में व्यक्तिगत स्कोर के मामले में उनसे आगे निकलकर रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। इसके अलावा ईशान ईस्ट जोन की ओर से दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने वाले 31 साल में पहले बल्लेबाज भी बने हैं। ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। कार्तिक ने साल 2010 में दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन की ओर से खेलते हुए 183 रनों की दमदार पारी खेली थी। ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले विकेटकीपर कप्तान भी हैं। ईशान वनडे इंटरनेशनल और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। दिल्ली के पूर्व बल्लेबाज रमन लांबा ने 1987–88 सीजन में नॉर्थ जोन के खिलाफ वेस्ट जोन की ओर से 320 रन की पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाने वाले सिर्फ दो बल्लेबाजों में शामिल हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और मुख्य कोच अंशुमान गायकवाड़ ने 1987–88 सीजन में नॉर्थ जोन के खिलाफ वेस्ट जोन की कप्तानी करते हुए 216 रन बनाए थे। पुजारा ने 2016–17 सीजन में इंडिया रेड के खिलाफ 256 रन की नाबाद पारी खेली थी। ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने 2026 के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ 250 की शानदार पारी खेली। इसके साथ ही वह इस सूची में शामिल होने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए।

पीसीबी ने कुछ खिलाड़ियों के फोन किए जमा ? शुरू की अनुशासनात्मक जांच

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मुकाबलों में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार संबंधी मुद्दों की जांच के लिए आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी है। यह कदम हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पहले दो टेस्ट मैचों में मिली करारी हार के बाद बोर्ड की सख्त प्रतिक्रिया के तौर पर उठाया गया है। इस हार के बाद विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम–उल–हक और टी20 कप्तान सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को दौरे के बीच में ही घर वापस भेज दिया गया था। पीसीबी के मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशंस डायरेक्टर आमिर मीर ने पुष्टि की है कि ड्रेसिंग रूम में अशांति के बारे में स्थानीय मीडिया में आ रही खबरों के जवाब में एक आंतरिक समीक्षा शुरू की गई है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दौरे के बीच से खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुलाना सिर्फ खराब प्रदर्शन के कारण की गई कार्रवाई नहीं थी। पाकिस्तानी मीडिया में यह भी दावा किया गया है कि कुछ खिलाड़ियों ने अपने फोन पीसीबी को दिए हैं और डिवाइस अंतिम टेस्ट मैच तक बोर्ड के पास ही रहेंगे। हालांकि, पीसीबी की ओर से इन दावों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मीर ने सोमवार को अपने एक्स अकाउंट पर कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अनुशासन और आचरण से जुड़ी मीडिया खबरों के बाद एक आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू की है, जिनकी अभी आंतरिक रूप से समीक्षा की जा रही है। पीसीबी ऐसे मामलों को अपनी मानक प्रक्रियाओं के अनुसार संभालता है। यह प्रक्रिया पीसीबी के नियमों के तहत की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी संबंधित व्यक्तियों की बात पर उचित ध्यान दिया जाए। मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी घर वापस भेज दिया गया था और उनकी जगह माइक हेसन और एशले नोफके ने ले ली है। मीर ने कहा, इस समय, कुछ प्लेटफॉर्म पर चल रही अटकलों वाली खबरों या बिना पुष्टि किए गए दावों को खासकर जो विरोधी बाहरी स्रोतों से आ रहे हैं विश्वसनीय नहीं माना जाना चाहिए। पीसीबी इस समय और कोई टिप्पणी नहीं करेगा। बोर्ड हितधारकों और जनता को सलाह देता है कि वे पीसीबी की आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। मोहसिन नकवी के नेतृत्व वाले पीसीबी प्रशासन को विदेशी दौरे के बीच ऐसे अभूतपूर्व कदम उठाने के लिए पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जबकि पाकिस्तान अभी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में सबसे नीचे चल रहा है।

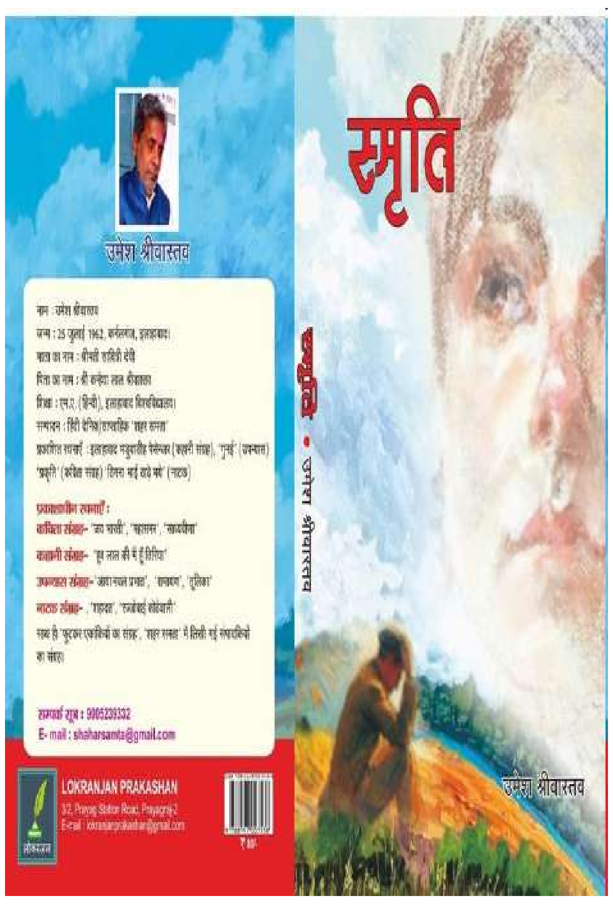

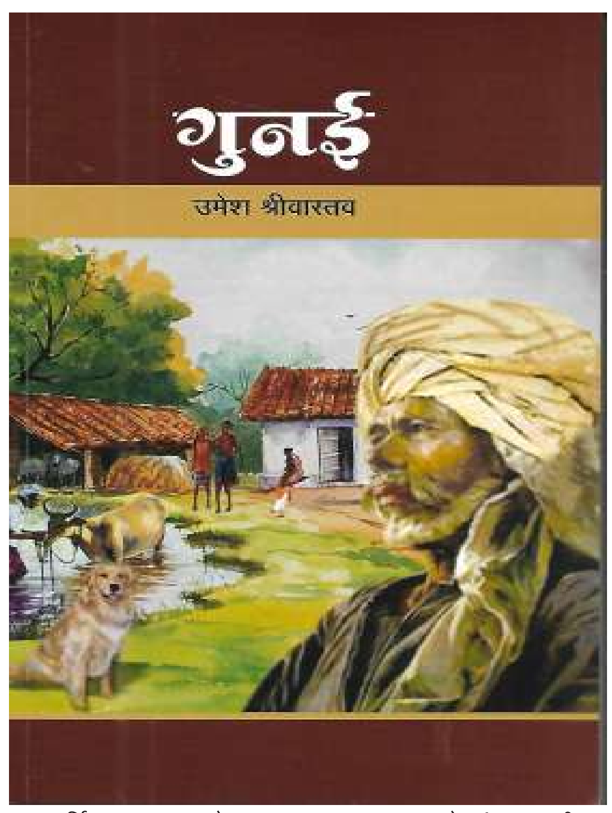

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

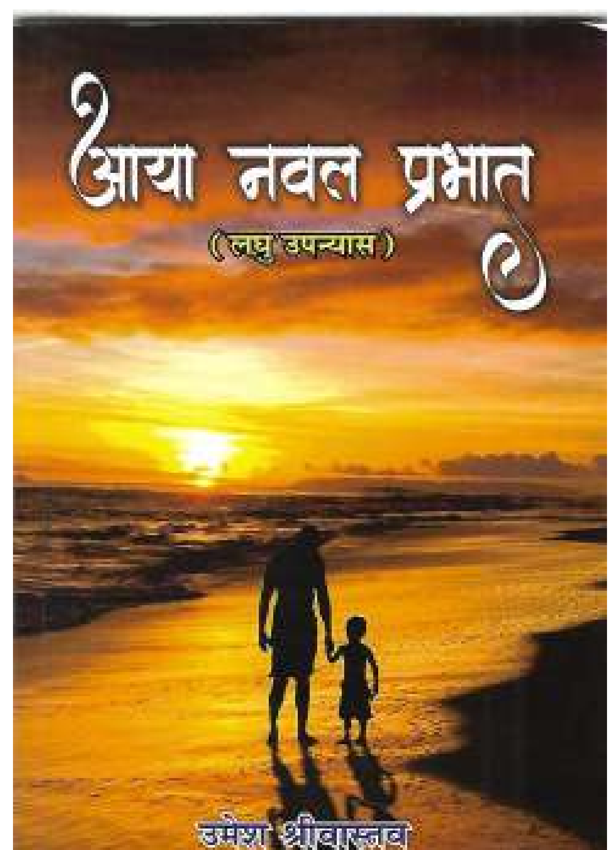

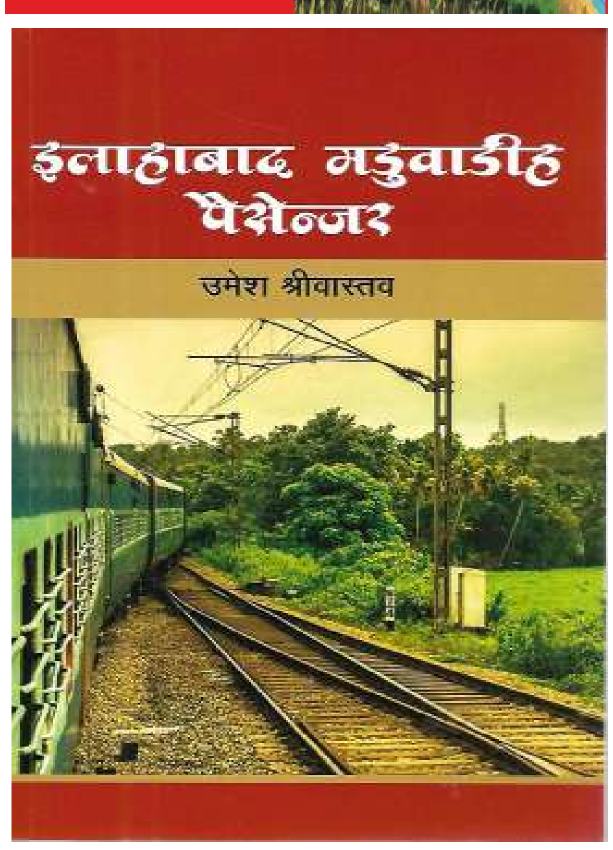

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

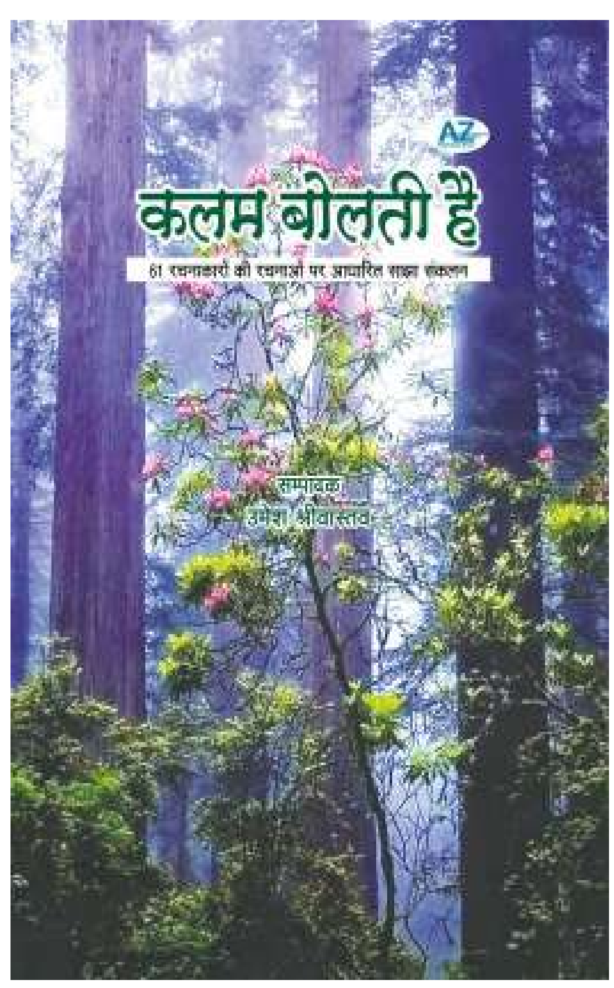

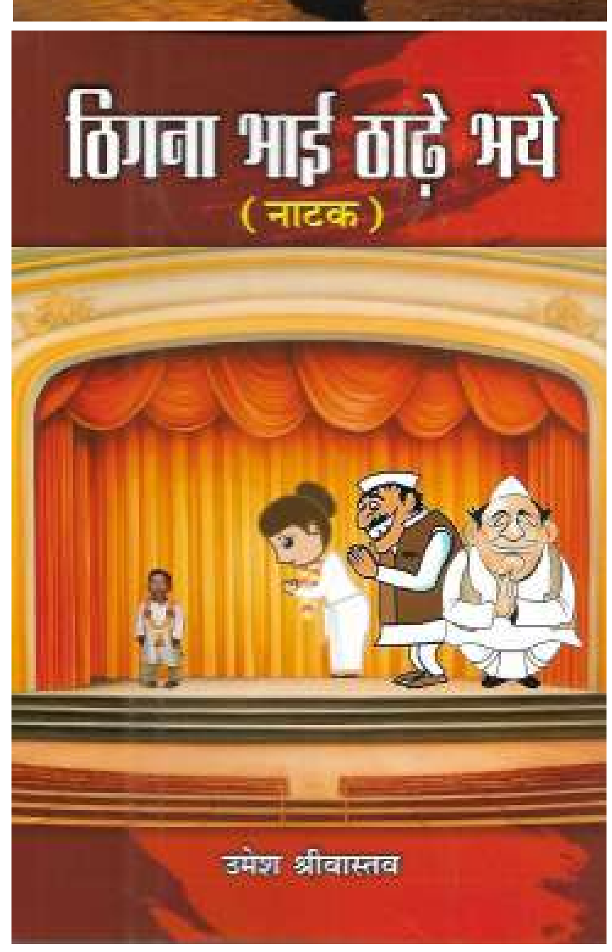

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान की चूलें हिलीं: आसिम मुनीर के लिए नासूर बनी बगावत, हर माह 120 सुरक्षाकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सशस्त्र विद्रोह के खिलाफ जारी लड़ाई की कीमत चुकाना सुरक्षा बलों के लिए लगातार बहुत भारी पड़ रहा है। दक्षिण एशिया के आतंकवाद

और सुरक्षा घटनाक्रम पर नजर रखने वाले साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल (एसएटीपी) के नवीनतम आंकड़े यह तस्दीक करते हैं कि पाकिस्तानी सेना के लिए आंतरिक मोर्चे पर यह युद्ध साल दर साल कितना खूनी और अनियंत्रित होता जा रहा है। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों की यह मौतें मुख्य रूप से दो प्रमुख अंचलों– बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा– में केंद्रित हैं। बलूचिस्तान में अकेले 2025 में 751 और खैबर पख्तूनख्वा में 455 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। दोनों को मिलाकर कुल 1,206 मौतें इन दो प्रांतों में हुईं, जबकि पूरे देश का कुल आंकड़ा 1,229 था। इस साल अब तक अकेले बलूचिस्तान में 630 सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं। जबकि खैबर पख्तूनख्वा में यह संख्या 280 है। इस तरह इस साल अब तक लगभग 68 फीसदी सुरक्षा बलों की मौतें केवल बलूचिस्तान से सामने आई हैं। यह पाकिस्तान की बदलती आंतरिक सुरक्षा स्थिति का सबसे बड़ा संकेत है। खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) मुख्य आतंकी चुनौती बना है, वहीं बलूचिस्तान में बलूच विद्रोह ने पाकिस्तान की चूलें हिला रखी हैं। आंकड़े दर्शाते हैं कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) से जुड़े संघर्षों में सुरक्षा बलों की मौतें टीटीपी से जुड़े मामलों की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। साल 2024 में बीएलए से जुड़ी घटनाओं में 151 और टीटीपी से जुड़े मामलों में 71 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। साल 2025 में बीएलए से संघर्ष में 339 और टीटीपी के साथ 174 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई। इस साल सितंबर की शुरुआत तक बीएलए से जुड़े संघर्षों में 136 और टीटीपी से जुड़े मामलों में 87 सुरक्षाकर्मियों की मौतें सामने आई हैं। हालांकि कई हमले अप्रत्यक्ष या अज्ञात श्रेणी में भी होते हैं। साफ है कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वाह दोनों ही पाकिस्तानी सुरक्षा तंत्र के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। अपनी आंतरिक व्यवस्था संभालने की जद्दोजहद में पाकिस्तानी सेना और अन्य सुरक्षा बल भारी मानवीय कीमत चुका रहे हैं।

नेपाल जलप्रलय के 12 दिन: पानी हुआ जहरीला, संपर्क में आते ही त्वचा पर इंफेक्शन, आंसुओं के बीच नुकसान के आंकड़े

एजेंसी/नेपाल आपदा के बाद भारत में आया सैलाब अब दिन–ब–दिन जहरीला होता जा रहा है। इसके संपर्क में आते ही लोगों के पूरे शरीर में इंफेक्शन फैल जाता है। लोग खुजली से परेशान हैं। यह परेशानी तब और बढ़ रही है जब संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे में पहुंच रहा है। ऐसे में इसकी चेन को ब्रेक करना बेहद मुश्किल हो रहा है। सबसे पहले इसकी चपेट

में वे बुजुर्ग आए जो आपदा के बाद खेतों में काम करने गए। अब उनसे यह संक्रमण घर के दूसरे लोगों में पहुंच रहा है। शरीर में अलग–अलग जगहों पर निशान पड़ रहे है। इसकी जद में कुशीनगर और महाराजगंज के कई गांव हैं। महाराजगंज जिला अस्पताल के वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. एके द्विवेदी ने कहा कि पानी में ई. कोलाई और अन्य फीकल बैक्टीरिया पनपने की अधिक संभावना है। जब कोई व्यक्ति ऐसे पानी के संपर्क में आता है तो बैक्टीरिया सबसे पहले त्वचा की ऊपरी परत को कमजोर कर देता है। कुशीनगर जिले के पीपरीघाट निवासी रामायण सिंह ने बताया कि खेत में काम करने के दौरान उनके पैर नेपाल से आए दूषित पानी के संपर्क में आ गए थे। इसके तुरंत बाद खुजली शुरू हो गई। सेवरही की रंभा देवी की बेटी के शरीर पर दाने हो गए हैं। आपदा के 12वें दिन चीन ने पहली बार कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों को गिरयोंग काउंटी जाने की अनुमति दी। अब चीन के सीमावर्ती इलाके में तबाही की असली तस्वीर सामने आई। यह आव्रजन चौकी बुरी तरह तबाह हो चुकी है। यहां तक कि यह पता लगाना भी मुश्किल है कि इसका ढांचा कहां पर खड़ा था। नेपाल में अचानक बाढ़ से मची तबाही के 12 दिन बीतने बाद भी प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति विकट बनी हुई है। राहत एवं बचाव कार्य बदस्तूर जारी है। मलबे को हटाने, सड़कों को दुरुस्त करने और संचार व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। नेपाली सेना और इंजीनियरों की टीम अस्थायी पुल बनाने और प्रभावित लोगों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने में जुटी है। अपेक्षाकृत कम प्रभावित क्षेत्रों में कुछ लोग घरों की ओर लौटे हैं और अपनों को खोने के दर्द के बीच जिंदगी को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूस–यूक्रेन जंग: व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद कीव पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप के दूत, क्या खत्म होगी जंग?

कीव, एजेंसी। अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और जरेड कुशनर ने रविवार को यूक्रेन की राजधानी कीव में बैठक की। यह यूक्रेन की उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। दोनों रूस के साथ जंग को खत्म करने की नई कोशिश के तहत यूक्रेन पहुंचे हैं। बातचीत को उन्होंने श्उत्साह बढ़ाने वालीश बताया। ट्रंप प्रशासन रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म कराने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह कोशिश अब धीमी पड़ गई है। पिछले छह महीनों से ईरान युद्ध पर ज्यादा ध्यान रहा है। अमेरिकी दूतों ने यूक्रेन यात्रा से एक दिन पहले मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इसी बीच दोनों पक्षों ने हवाई हमले और तेज कर दिए हैं। दोनों देशों के बीच चार साल से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। रूस हाल में तेज रफ्तार

वाले जेट इंजन से चलने वाले ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। कीव में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन अब रोज की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं। 1,250 किलोमीटर लंबी सीमा पर रूस और यूक्रेन के सैनिक लड़ रहे हैं। लेकिन दोनों में से कोई भी पक्ष ज्यादा आगे नहीं बढ़ पा रहा है। जेलेंस्की ने कितनी बार बातचीत की? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को अमेरिकी दूतों के साथ तीन दौर की बातचीत की। आखिरी दौर की बातचीत में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी शामिल हुए। जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बातचीत में यूक्रेन की वायु रक्षा (एयर डिफेंस) जरूरतों पर चर्चा हुई। इसमें पैट्रियट मिसाइल प्रणाली भी शामिल है। सर्दियों से पहले मदद के लिए एक श्विंटर पैकेजश पर भी बात हुई। इसमें वायु रक्षा और ऊर्जा ढांचे की सुरक्षा दोनों शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को इस मामले में अमेरिका से बड़ी मात्रा में मदद चाहिए। यूरोपीय देश भी इसमें साथ दे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका अगले साल पैट्रियट मिसाइलों की संख्या बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। जर्मनी भी मौजूदा लाइसेंस समझौतों के तहत अपना उत्पादन बढ़ा रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के शहरों पर हमले तेज कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह रूस की स्टेट ड्यूमा के इस महीने होने वाले चुनाव से पहले किया जा रहा है। जेलेंस्की ने इन हमलों को आम लोगों के खिलाफ जानबूझकर किया गया श्आतंकश बताया। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन 67 घरेलू कंपनियों के साथ काम कर रहा है। ये कंपनियां रूस के जेट इंजन वाले ड्रोन को बड़े स्तर पर गिराने वाली तकनीक बना रही हैं। जेलेंस्की ने कहा कि क्षेत्र से जुड़ा सवाल अभी भी अहम है। लेकिन उन्होंने अपना पुराना रुख दोहराया। उनके मुताबिक ऐसे मुश्किल मुद्दों का हल सिर्फ दोनों देशों के नेताओं के स्तर पर हो सकता है। बातचीत में यूक्रेन की लंबे समय की सुरक्षा और युद्ध के बाद देश को फिर से बनाने के लिए आर्थिक मदद पर भी चर्चा हुई। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की मजबूत सेना सुरक्षा की मुख्य गारंटी में से एक है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच अगली बैठक करने पर सहमति बनी है। हालांकि, बैठक कहां होगी यह अभी तय नहीं हुआ है। विटकॉफ ने कहा कि अमेरिका इस संघर्ष का हल बातचीत और कूटनीति से चाहता है। वह लड़ाई के जरिये समाधान नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि मॉस्को में एक दिन पहले हुई बैठक में कुछ नए विचार सामने आए थे। इन्हें बाद में कीव में हुई बातचीत में रखा गया। उन्होंने फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की मौजूदगी का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक किसी समझौते तक पहुंचने के लिए सभी का साथ मिलकर काम करना जरूरी है। विटकॉफ ने कहा कि दोनों पक्षों को कुछ समझौते करने होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि समझौते तक पहुंचने के लिए जरूरी चीजें मौजूद हैं। जब विटकॉफ से पूछा गया कि अगर बातचीत से कोई बड़ी सफलता नहीं मिली तो क्या अमेरिका रूस पर दबाव बढ़ाएगा, तो कुशनर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसा रास्ता तलाश रहा है जिसमें दोनों पक्षों के लिए फायदा हो। कुशनर ने कहा कि उनके ससुर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ लड़ाई खत्म करना नहीं चाहते। वह ऐसा ढांचा बनाना चाहते हैं,

दुनिया के नक्शे पर भारत के वोट से क्यों तिलमिलाया पाकिस्तान ?: कश्मीर पर फिर अलापा पुराना राग, जानें पूरा मामला

इस्लामाबाद, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में दुनिया के नक्शे को लेकर आए एक प्रस्ताव पर भारत के समर्थन के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच बयानबाजी फिर तेज हो गई है। भारत ने 4 सितंबर को अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस वोट का मकसद केवल दुनिया के नक्शों में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने के सिद्धांत का समर्थन करना था। भारत ने यह भी साफ किया कि प्रस्ताव का जम्मू–कश्मीर, लद्दाख या किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा के राजनीतिक दर्जे से कोई लेना–देना नहीं है। इसके बावजूद अगले ही दिन पाकिस्तान ने भारत के रुख को निशाना बनाया और जम्मू–कश्मीर पर अपने पुराने दावे दोहरा दिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर को दुनिया के नक्शे में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने से जुड़ा प्रस्ताव अपनाया। इसका उद्देश्य ऐसे नक्शों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, जिनमें अलग–अलग महाद्वीपों का क्षेत्रफल वास्तविक आकार के

अनुपात में ज्यादा सही नजर आए। भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने अपने वोट की व्याख्या में समान क्षेत्रफल वाले नक्शों के सिद्धांत को समर्थन देने की बात रखी। यानी भारत का वोट किसी राजनीतिक सीमा या विवादित क्षेत्र के समर्थन में नहीं था। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव किसी खास विश्व नक्शे को मंजूरी नहीं देता। न ही यह किसी खास नक्शा बनाने की पद्धति या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण को मान्यता देता है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नाम से जुड़े राजनीतिक नक्शों पर कोई फैसला नहीं किया गया है। भारत ने साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर रुख को स्पष्ट, लगातार एक जैसा और गैर–परक्राम्य बताया। ऐसे में भारत के अनुसार इस प्रस्ताव को जम्मू–कश्मीर के दर्जे से जोड़ना सही नहीं है। भारत के स्पष्टीकरण के एक दिन बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावे को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के रुख को बेबुनियाद बताया। उसने कहा कि भारत की कथित एकतरफा कार्रवाई और जम्मू–कश्मीर पर उसका नियंत्रण क्षेत्र की स्थिति को नहीं बदल सकता। पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू–कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में लंबे समय से लंबित विवाद बताया और इस मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया। पाकिस्तान के बयान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का हवाला देते हुए कहा गया कि जम्मू–कश्मीर का अंतिम फैसला वहां के लोगों की इच्छा के आधार पर होना चाहिए। पाकिस्तान ने स्वतंत्र और निष्पक्ष जनमत संग्रह की अपनी पुरानी मांग भी दोहराई। उसने भारत के आधिकारिक नक्शों और जम्मू–कश्मीर पर संप्रभुता के दावे को भी खारिज किया। इस तरह पाकिस्तान ने दुनिया के नक्शे को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को फिर जम्मू–कश्मीर के पुराने विवाद से जोड़ने की कोशिश की। संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव के पक्ष में 164 देशों ने मतदान किया। एस्टोनिया, जॉर्जिया, लिथुआनिया, मोल्दोवा, सर्बिया और यूक्रेन मतदान से अलग रहे। प्रस्ताव के खिलाफ केवल अमेरिका ने वोट किया। यह प्रस्ताव टोगो की ओर से पेश किया गया था और 4 सितंबर को इसे अपनाया गया। भारत के समर्थन के बाद विदेश मंत्रालय ने अपने वोट की वजह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट की, ताकि यह साफ रहे कि भारत ने किसी राजनीतिक नक्शे या सीमा के मुद्दे पर अपना रुख नहीं बदला है।

होर्मुज बंद है या खुला: अमेरिकी जहाजों पर हमला करने के बाद क्या बोला ईरान? ट्रंप के दावे पर भी किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रजाई ने होर्मुज जलडमरूमध्य की मौजूदा स्थिति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को सीधे खारिज किया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बातचीत में रजाई ने कहा कि होर्मुज पूरी तरह बंद है और ट्रंप का यह कहना कि जलडमरूमध्य खुला है, 'बहुत बड़ा झूठ' है। उनके मुताबिक

जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद सीमित रह गई है। रजाई ने यह भी कहा कि अमेरिका अगर ईरान को धमकी देना या उस पर हमला करना बंद कर देता है, तो ईरान होर्मुज को खुला रखने के लिए तैयार होगा। पहले कितने जहाज गुजरते थे और अब क्या स्थिति है? रजाई ने कहा कि होर्मुज बंद किए जाने से पहले इस रास्ते से 100 से ज्यादा जहाज गुजरते थे। इन जहाजों के जरिये 10 करोड़ टन से ज्यादा सामान का परिवहन होता था। अब उनके दावे के मुताबिक केवल सात से आठ जहाज ही इस क्षेत्र से गुजर रहे हैं और इनमें ईरान की जरूरी वस्तुएं ले जाने वाले जहाज शामिल हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका से जुड़े कुछ जहाज चोरी–छिपे इस क्षेत्र से गुजरने की कोशिश करते हैं, जिन्हें ईरानी बल पहचानकर निशाना बनाते हैं। रजाई के अनुसार अमेरिका पांच से छह जहाजों को इस क्षेत्र से निकालने की कोशिश करता है और इन पर हमला किया जाता है। ईरान होर्मुज के बाहर नया प्रतिबंधित क्षेत्र क्यों बना रहा है? रजाई ने कहा कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक नया प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। उनके मुताबिक यह क्षेत्र उस जगह से शुरू होगा, जिसे ईरान अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी की रेखा बता रहा है और यह फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों तक फैलेगा। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि नए घोषित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी जहाज को प्रतिबंधों की सूची में डाल दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि ईरान की ओर से समुद्री आवाजाही पर लगाई जा रही पाबंदियां केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं रह सकती हैं। ईरान ने अमेरिकी जहाजों को डुबोने से परहेज क्यों किया? मोहसिन रजाई ने दावा किया कि ईरान अमेरिकी तस्करी वाले जहाजों को देख रहा है और उन्हें नष्ट भी कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने इन जहाजों को डुबाने का फैसला नहीं किया है। उनका तर्क है कि इन जहाजों में तेल होता है और उनके डूबने से क्षेत्र के पर्यावरण को नुकसान हो सकता है। रजाई के मुताबिक ईरान ने कुछ अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाने के लिए चिह्नित किया था, लेकिन कुछ स्थानों पर जानबूझकर हमला नहीं किया गया। इनमें जॉर्डन का टाइटन बेस और इरबिल में मौजूद कुछ अमेरिकी ठिकाने शामिल हैं। अमेरिका के साथ तनाव में होर्मुज इतना अहम क्यों है?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच यहां जहाजों की आवाजाही को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। रजाई ने कहा कि होर्मुज को खुला रखने का भविष्य सीधे तौर पर अमेरिका के सैन्य रवैये से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अमेरिका ईरान को धमकी देता रहेगा या उस पर हमला करेगा, तब तक स्थिति सामान्य नहीं होगी। इस बीच नया प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने की चेतावनी से फारस की खाड़ी में समुद्री यातायात को लेकर चिंता और बढ़ सकती है। लेबनान और हिजबुल्ला को लेकर ईरान ने क्या कहा? मोहसिन रजाई ने लेबनान और हिजबुल्ला के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि युद्ध को केवल जीत और हार की लगातार श्रृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। उनके मुताबिक युद्ध में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं। रजाई ने दावा किया कि इस्राइली बलों के लगातार सैन्य दबाव के बावजूद पूरे संघर्ष के दौरान लेबनान के हिजबुल्ला का पलड़ा भारी रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध की स्थिति को समझने के लिए केवल अलग–अलग हमलों के नतीजों को देखना पर्याप्त नहीं है। ईरान की ओर से होर्मुज के बाहर नया प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने की घोषणा तनाव को एक नए स्तर पर ले जा सकती है। अभी रजाई के बयानों के अनुसार ईरान एक तरफ होर्मुज को अमेरिकी हमलों और धमकियों से जोड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ उन समुद्री इलाकों में भी प्रतिबंध बढ़ाने की तैयारी कर रहा है जिन्हें वह अपने सुरक्षा हितों से जुड़ा मानता है।

'चांद हमारा है': अमेरिकी झंडे के साथ शेयर की तस्वीर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया नया दावा

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि चंद्रमा अमेरिका का है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर श्चंद्रमा हमारा हैश

लिखा था। उन्होंने तस्वीर के साथ अमेरिकी झंडा भी लगाया। चंद्रमा की तस्वीर पोस्ट करने से कुछ मिनट पहले, ट्रंप ने अमेरिकी अंतरिक्ष बल की नई काली वर्दी की एआई–जनरेटेड तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने रंगों का वर्णन ष्स्पेस ग्रे, मिडनाइट ब्लैक, सिल्वर ग्रे और सैटिन ब्लैकष के रूप में किया। वर्दी में कंधो और कॉलर पर प्रतीक चिन्ह, आस्तीन पर पैच और एक बेल्ट थी। वहीं, ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर श न्यू अमेरिकाश रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने पोस्ट किया, ष्कई लोगों ने न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर। न्यू अमेरिका रखने का सुझाव दिया। उस संभावित रूप से अविश्वसनीय राज्य के लोगों के लिए यह कितना अधिक प्रतिष्ठित और सुंदर नाम होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया। न्यू मेक्सिको की गवर्नर ने क्या जवाब दिया? न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने फॉक्स न्यूज पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य का नाम विवाद का विषय नहीं है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के अस्तित्व में आने से पहले से ही हमारा है।श उन्होंने कहा कि ट्रंप ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों से अमेरिकियों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। न्यू मेक्सिको को यह सुझाव देने से पहले एक आदेश जारी किया गया था। कुछ दिन पहले, ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापार विवाद के बीच लेक ओंटारियो का नाम बदलकर ष्लेक अमेरिकाष करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने 27 अगस्त को ओवल ऑफिस से इस घोषणा की थी। लेक ओंटारियो कनाडा–अमेरिका सीमा पर स्थित पांच ग्रेट लेक्स में से एक है। इसका नाम कनाडा के ओंटारियो प्रांत और न्यूयॉर्क राज्य के साथ मिलता–जुलता है। टोरंटो इसके उत्तर–पश्चिमी तट पर स्थित है।

सुपरहीरो अंदाज में दिखे डोनाल्ड ट्रंप: सीमा पर दीवार लगाकर रोके अवैध अप्रवासी

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिकी राजनीति में अब सुपरहीरो का तड़का भी लग गया है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ग्रीन लैंटर्न (ळतममद स्ंदजमतद) थीम पर एक एआई वीडियो जारी किया है। वीडियो में ट्रंप को हरे रंग की रोशनी और सुपरहीरो जैसी ताकत के साथ दिखाया गया है, जो ग्रीन लैंटर्न के मशहूर पावर रिंग से प्रेरित है। व्हाइट हाउस के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वीडियो साझा किया। इसके साथ ही लिखा, श्तेज धूप में हो या अंधेरी रात में, कोई बुराई मेरी नजर से नहीं बच पाएगी। जो लोग बुराई की ताकत की पूजा करते हैं, वे मेरी शक्ति से सावधान रहें।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।